

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8>> मेहनत व लगन से प्रतिभाओं ने...



आईआरसीटीसी होटल घोटाला : मामले में नौ के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर आरोप 30 को

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने कथित आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और छह अन्य आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय करने की कार्यवाही टाल दी है। विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार ने शनिवार को सुनवाई के दौरान अगली तारीख 30 अक्टूबर तय की। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पिछली अदालत के आदेश के आधार पर निर्देश लेने को भी कहा।

प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में कुल 16 लोगों को आरोपी बनाया था। पिछली अदालत ने 10 सितंबर को इनमें से सात आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया था, जबकि नौ के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। इसी के आधार पर तीन अक्टूबर को आरोप तय करने की औपचारिक कार्यवाही होनी थी। हालांकि, अदालत ने अब इस प्रक्रिया को 30 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया है।

लालू प्रसाद यादव के वकील ने पिछली अदालत में दलील दी थी कि उनके खिलाफ शिकायत राजनीतिक बदले की भावना से



प्रेरित है। हालांकि, पिछली अदालत ने इस दलील से सहमति नहीं जताई थी। अदालत ने कहा था कि आरोपियों के खिलाफ मजबूत संदेह के आधार मौजूद हैं। साथ ही, जांच की प्रकृति, उसके समय और तरीके से ऐसा नहीं लगता कि शिकायत लालू प्रसाद यादव के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के कारण की गई थी।

कथित आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पहले ही भ्रष्टाचार के आरोप तय कर चुका है। पिछले साल अक्टूबर में लालू प्रसाद यादव और 11 अन्य लोगों के

खिलाफ सीबीआई के मामले में आरोप तय किए गए थे। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय का मामला धनशोधन से जुड़ा है। इसमें नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की औपचारिक कार्यवाही होनी है। दोनों मामले एक ही कथित घोटाले से जुड़े हैं, लेकिन इनकी जांच अलग-अलग एजेंसियां कर रही हैं।

प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, वर्ष 2004 से 2009 के बीच तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में रांची और पुरी स्थित आईआरसीटीसी होटलों के संचालन के लिए जारी निविदा प्रक्रिया में

कथित तौर पर हेरफेर किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि इस प्रक्रिया में सुजाता होटल्स को फायदा पहुंचाया गया। ईडी के मुताबिक, इसके बदले सुजाता होटल्स के निदेशकों विनय कोचर और विजय कोचर ने पटना स्थित अपनी कीमती जमीन डिलाइट मार्केटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को बाजार मूल्य से कम कीमत पर हस्तांतरित की। यह कंपनी प्रेम चंद गुप्ता और उनकी पत्नी सरला गुप्ता के नियंत्रण में थी। ईडी के अनुसार, प्रेम चंद गुप्ता लालू प्रसाद यादव के करीबी सहयोगी थे।

ईडी का दावा है कि बाद में सरला गुप्ता और अन्य लोगों ने डिलाइट मार्केटिंग कंपनी के शेयर बेहद कम कीमत पर राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को हस्तांतरित कर दिए। एजेंसी के मुताबिक, बाद में इस कंपनी का नाम बदलकर लारा प्रोजेक्ट्स कर दिया गया। जांच एजेंसी इस जमीन और शेयरों के हस्तांतरण को होटल संचालन की निविदा प्रक्रिया में कथित तौर पर पहुंचाए गए लाभ से जोड़कर देख रही है। ये आरोप ईडी के दावे हैं; अदालत में आरोप तय करने की औपचारिक कार्यवाही अभी पूरी नहीं हुई है।

एशियाई खेल 2026 : भारत 21 स्वर्ण के साथ चौथे स्थान पर

नई दिल्ली। एक रोमांचक 15वें दिन का समापन हुआ और इसी के साथ एशियाई खेल 2026 में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। भारत के खते में पांच स्वर्ण पदक और जुड़े। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराया। यह भारत का 21वां गोल्ड मेडल और कुल मिलाकर 85वां मेडल था, जिससे भारत ने हर चार साल में होने वाले इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में एक बार फिर टॉप-5 में जगह बनाई। पिछले संस्करण की तुलना में भारत के कुल मेडल की संख्या 21 कम रही। 2022 के हांगझोउ खेलों के मुकाबले गोल्ड मेडल की संख्या में सात की कमी आई। भारत ने हांगझोउ में 106 मेडल जीते थे और पहली बार 100 मेडल का आंकड़ा पार किया था। आइची-नागोया का सफर मिला-जुला रहा; कुछ उम्मीद के मुताबिक नतीजे मिले तो कुछ निराशाजनक भी रहे, लेकिन आखिर में शानदार प्रदर्शन ने पूरे सफर को तस्वीर



बदल दी। हालांकि, भारत के आखिरी समय में मिले मेडल्स की झड़ी का श्रेय भी बनता है। हाल ही में गुरुवार तक, भारत सिर्फ 10 गोल्ड मेडल के साथ मेडल टेबल में टॉप 10 से बाहर था। लेकिन आखिरी दो दिनों में हॉकी और क्रिकेट टीमों ने गोल्ड जीते, साथ ही तीरंदाजी, बॉक्सिंग और रेसलिंग में भी भारत को शानदार नतीजे मिले। इस तेजी से 11 और गोल्ड मेडल मिले और भारत टॉप पांच में पहुंच गया, जिससे गेम्स के खतम होने से

पहले ही इस अभियान को बहुत जरूरी बढ़ावा मिला। भारत ने एशियाई खेल 2026 में 85 मेडल जीते हैं, जिनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल मिले हैं। भारत पदकों के मामले में चौथे नंबर पर रहा।

कुमकुम मोहोद और प्रणवी उर्स ने क्रमशः तीरंदाजी और गोल्फ में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीते, जबकि पहलवान अमन सहरावत ने वर्ल्ड चैंपियन को हराकर पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीता।

खरगे का बयान संवैधानिक संस्थाओं पर हमला

नयी दिल्ली। तीन अक्टूबर केद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को अवैध बताया संबंधी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान के लिए उनपर निशाना साधा और कहा कि यह बयान संवैधानिक संस्थाओं व जनादेश का अपमान है। खरगे ने कर्नाटक के कलबुर्गी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ‘सभी चुनाव अवैध थे और नरेन्द्र मोदी, अमित शाह तथा सभी राज्यों के मुख्यमंत्री अवैध हैं। उन्होंने मतपत्रों के माध्यम से दोबारा चुनाव कराने की भी मांग की। चौहान ने एक बयान में कहा, फ़कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा नेता



प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर दिया गया बयान उनकी हताशा, हार की मानसिकता और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने की कांग्रेस की पुर्पनी आदत का एक और उदाहरण है। उन्होंने कहा, खड्गे द्वारा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को ‘अवैध’ कहना संवैधानिक संस्थाओं और जनादेश का अपमान है।

आठ महीनों में हमलों के दौरान 254 हिंदू मारे गए

नयी दिल्ली। तीन अक्टूबर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को ाक्टूबरथी ताकतों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की और दावा किया कि इस साल अगस्त तक कथित हमलों में 254 हिंदू मारे गए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संगठन ने मांग की कि हिंदुओं पर धार्मिक नफरत से प्रेरित हमलों से जुड़े मामलों को बिना देरी के त्वरित सुनवायी अदालतों में भेजा जाए और दोषी पाए जाने वालों को जल्द कड़ी सजा दी जाए। विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी मांग की कि धार्मिक नफरत से कथित तौर पर प्रेरित हिंसा या हत्या के मामलों में शामिल नाबालिगों पर वयस्कों के रूप में मुकदमा चलाया जाए। उन्होंने कहा, हत्या और

धार्मिक नफरत से प्रेरित हमलों जैसे बर्बर कृत्यों के लिए कानूनी कार्यवाही में इन लोगों को अनिवार्य रूप से वयस्क माना जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, कट्टरपंथी मानसिकता के खिलाफ भारत जितना संघर्ष करने को मजबूर हुआ है, उतना कोई अन्य देश नहीं हुआ है। हालांकि देश के दर्दनाक धर्म-आधारित विभाजन के बाद भारत को इस मानसिकता से मुक्त हो जाना चाहिए था, लेकिन धर्मनिरपेक्ष राजनीति के नाम पर अपनाई गई तुष्टीकरण की नीति ने भारत की पीड़ा को और बढ़ाया है। जैन ने दावा किया कि हिंदू धार्मिक आयोजनों पर कट्टरपंथियों के हमले, हिंदू महिलाओं का धोखे से या लव जिहाद की आड़ में अपहरण और हिंदू बस्तियों पर हमले रोजमर्रा की घटनाएं बनते जा रहे हैं।

चिन्मय दास की रिहाई के लिए प्रदर्शन कोलकाता। बांग्लादेश की जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग को लेकर शनिवार को कोलकाता में प्रदर्शन हुआ। विभिन्न हिंदुत्ववादी संगठनों के साधु-संतों और कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के सहयोगी दल नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के सदस्य भी इसमें शामिल हुए। प्रदर्शनकारी बांग्लादेश के उप उच्चायोग तक मार्च निकाल रहे थे। कोलकाता के बंकबागान इलाके में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के पास पुलिस ने बैरिकेड लगाए थे। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इसी दौरान उनकी पुलिस से धक्का-मुक्की और झड़प हो गई।



चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को धोकर ने स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत के गोल्ड मेडल की संख्या एक बार फिर बढ़ गई। पुरुष क्रिकेट टीम ने इवेंट के फाइनल मुकाबले में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत हासिल की। दोनों टीमों 3 अक्टूबर की निशान के कोरोगी पार्क में आमने-सामने हुईं और भारत ने पहले बल्लेबाजी की। अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत की। दो छक्के लगाने के बाद सूर्यवंशी 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन मेन इन ब्लूके लिए अभिषेक शर्मा की पारी सबसे खास रही। अभिषेक ने सिर्फ 28 गेंदों में 61 रन बनाए और शुरुआत में ही पाकिस्तान पर दबाव बना दिया। इसके अलावा, संजु सैमसन दो रन बनाकर आउट हो गए, जबकि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने क्रमशः 21 और 20 रन बनाए।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में देरी से आईएफएफ को नुकसान

नयी दिल्ली। तीन अक्टूबर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने शनिवार को कहा कि तेजस लड़ाकू विमानों को वायुसेना में शामिल करने में हो रही अत्यधिक देरी भारतीय वायुसेना के लिए नुकसानदेह साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि लड़ाकू विमानों के स्क्राइन की संख्या लगातार घट रही है और वह भी ऐसे समय में जब सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए वायु शक्ति का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। वायुसेना दिवस से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल सिंह ने यह भी कहा कि अगले कुछ वर्षों तक भारतीय वायुसेना को हर साल कम से कम 36-40 लड़ाकू विमानों को अपने बड़े में शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वदेशी रूप से निर्मित तेजस मार्क-1ए विमानों के साथ-साथ बहु-उद्देश्यीय लड़ाकू विमान (एमआरएफए) कार्यक्रम के तहत खरीदे जाने वाले राफेल लड़ाकू विमानों को शामिल किए जाने से स्थिति में सुधार होगा।



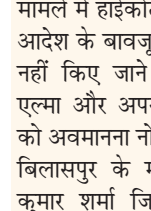
हसीना के बांग्लादेश प्रत्यर्पण का मामला में फंसा है पेच

ढाका। भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर कोई समयसीमा तय करने से इनकार किया है। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने शनिवार को ढाका में कहा कि हसीना को वापस भेजने का अनुरोध कानूनी प्रक्रिया के तहत जांचा जा रहा है। इस बारे में कोई समयसीमा नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा, हसीना की वापसी को लेकर कोई भी समयसीमा नहीं बता सकता यह बयान उन्होंने ढाका में आयोजित बे ऑफ बंगाल कन्वेंसेशन 2026 के पांचवें संस्करण में एक चर्चा के दौरान दिया। बांग्लादेश लगातार भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। शेख हसीना अगस्त 2024 में अपनी सरकार गिरने के बाद भारत आ गई थीं। उस समय बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे थे। इन प्रदर्शनों की शुरुआत सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था के विरोध से हुई थी, लेकिन बाद में यह व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया।



हाईकोर्ट ने आबकारी कमिश्नर व अपर आयुक्त को नोटिस

बिलासपुर। आबकारी विभाग में पदस्थ प्रधान आरक्षक को विभागीय प्रतियोगी परीक्षा में सर्विस रिकॉर्ड के अंक कम देकर अनुत्तीर्ण किए जाने के मामले में हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट के आदेश के बावजूद तय समय में मामले पर कार्रवाई नहीं किए जाने पर आबकारी कमिश्नर पी.एस. एल्मा और अपर आबकारी आयुक्त पी.एल. साहू को अवमानना नोटिस जारी किया गया है। दरअसल, बिलासपुर के महर्षि स्कूल रोड निवासी मुकेश कुमार शर्मा जिला जांजगीर-चांपा में आबकारी विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने आबकारी उपनिरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) पद के लिए आयोजित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सा लिया था। आरोप है कि सर्विस रिकॉर्ड (छत्र) के 15 अंक कम दिए जाने के कारण उन्हें परीक्षा में अनुत्तीर्ण कर दिया गया, इसके बाद मुकेश कुमार शर्मा ने हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पांडेय के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि वर्ष 2017, 2018 और 2019 के सर्विस रिकॉर्ड में प्रतिकूल टिप्पणी दर्ज करने से पहले उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया था।



पी चिंदंबरम बोले, पद छोड़ें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

नई दिल्ली। सीनियर कांग्रेस नेता और पूर्व केद्रीय मंत्री पी चिंदंबरम ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तुरंत इस्तीफा देने की मांग की है। यह मांग वोटर लिस्ट में सुधार की प्रक्रिया, जिसे स्पेशल इंटेसिव रिविज़नकहा जाता है, को लेकर उठ रही अंदरूनी आपत्तियों के बीच की गई है। 3 अक्टूबर को चिंदंबरम ने कहा कि विपक्ष के बढ़ते दबाव के कारण कुमार का पद छोड़ना तय है। उन्होंने कहा कि मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि ज्ञानेश कुमार को कभी न कभी इस्तीफा देना ही होगा। उनके लिए जल्द इस्तीफा देना बेहतर होगा, लेकिन अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो विरोध जारी रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक कुमार पद नहीं छोड़ेंगे, तब तक इंडिया गठबंधन और कई सिविल सोसाइटी समूह अपना विरोध प्रदर्शन और तेज़ करेंगे। चिंदंबरम ने कहा कि इंडिया गठबंधन का विरोध जारी रहेगा। दूसरे समूह भी विरोध कर रहे हैं और उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।



बिना अनुमति प्रदर्शन पर कॉंकरोच पर दर्ज की एफआईआर

मुंबई। पुलिस ने शुक्रवार को शिवाजी पार्क में कॉंकरोच जनता पाट के विरोध प्रदर्शन को लेकर आयोजकों और 400-500 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सीजेपी नेताओं ने बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा किया और मुंबई पुलिस से इजाजत न मिलने के बावजूद विरोध प्रदर्शन किया। मुंबई पुलिस ने पहले शिवाजी पार्क में 2 अक्टूबर को प्रस्तावित सभा के लिए इजाजत देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के 4 जनवरी, 2013 के फ़ैसले और महाराष्ट्र सरकार के 20 जनवरी, 2016 के आदेश के तहत लगी पाबंदियों का हवाला दिया था। पुलिस ने आयोजकों को विरोध प्रदर्शन के लिए कोई दूसरी जगह चुनने की सलाह भी दी थी। इजाजत न मिलने के बावजूद प्रदर्शन किया गया और इसका मकसद ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करना था। पुलिस ने आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2) और 223, और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 37(1), 37(3) और 135 के तहत मामला दर्ज किया है।



बस्तर के अंदरूनी गांवों में बस की नियमित आवाजाही ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक पहुंच को नई दिशा दी

दुर्गम राहों से विकास के रास्ते तक चल पड़ी मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

रायपुर। किसी गांव के लिए बस सेवा केवल एक जगह से दूसरी जगह जाने का साधन नहीं होती। वह बच्चों के लिए स्कूल पहुंचने का भरोसा, मरीजों के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक जाने का रास्ता, किसानों और वन उपज संग्राहकों के लिए हाट-बाजार तक पहुंच और मजदूरों के लिए काम के बाद घर लौटने की सुविधा भी होती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा संभाग के अनेक गांवों में यह सहज सुविधा लंबे समय तक उपलब्ध नहीं थी। घने जंगलों, पहाड़ी रास्तों, बिखरी बसाहटों और कम यात्री संख्या के कारण निजी बस

संचालित इन मार्गों पर सेवा देने से कतराते थे। ग्रामीणों को पिकअप या मालवाहक वाहनों के खुले हिस्से में सफर करना पड़ता था, कई बार अधिक किराया देकर भी, बिना तय समय और बिना बैटने की सुरक्षित जगह के।

इसी जरूरत को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ शासन ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दुर्गम और कम यात्री संख्या वाले गांवों को नियमित यात्री परिवहन से जोड़ने का प्रयास किया। योजना का शुभारंभ 4 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर से हुआ। एक वर्ष के भीतर इस पहल का विस्तार बस्तर और सरगुजा संभाग के 13 जिलों

तक पहुंचा। सितंबर 2026 की स्थिति में 106 मार्गों पर 107 बसें संचालित थीं और 850 ऐसे गांव पहली बार नियमित बस सुविधा से जुड़े, जहां पहले नियमित यात्री बस नहीं पहुंचती थी। एक वर्ष में इन बसों ने लगभग 24 लाख किलोमीटर की दूरी तय की।

बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों में किसी गांव तक पहुंचना कई बार केवल नक्शे पर दूरी देखने जितना सरल नहीं होता। जंगलों से गुजरते रास्ते, दूर-दूर बसे गांव और सीमित परिवहन विकल्प रोजमर्रा के कामों को भी कठिन बना सकते हैं। सुकमा और बीजापुर जैसे जिलों के अंदरूनी क्षेत्रों तथा निपद नेल्लनार ग्रामों में बस सेवा पहुंचाना



इसलिए केवल मार्ग तय करने का काम नहीं था, यह उन इलाकों तक सार्वजनिक सुविधा पहुंचाने की कोशिश थी, जहां होता। यातायात उपलब्ध कराना व्यावसायिक दृष्टि से कठिन माना जाता था।

योजना के तहत सुकमा जिले के पुवर्ती, जगरगुंडा, किस्टाराम और गोलापल्ली जैसे गांव नियमित बस सेवा से

जुड़े हैं। बस्तर संभाग में सुकमा, दत्तेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, बस्तर, कोंडागांव और कांकर जिलों के 55 मार्गों पर 57 बसें चल रही हैं। सरगुजा संभाग के छह जिलों में 51 मार्गों पर 50 बसें संचालित हैं। कुल अधिसूचित मार्गों की लंबाई लगभग 5,300 किलोमीटर है। मार्ग 14 से 105 किलोमीटर तक लंबे हैं और उनकी औसत लंबाई करीब 49 किलोमीटर है। सामान्यतः बसें प्रतिदिन दो यात्राएं करती हैं।

योजना की उपलब्धि केवल इस बात में नहीं है कि बसें दुर्गम इलाकों तक पहुंचें। अहम यह भी है कि स्थानीय जरूरतों के अनुसार मार्ग चुने गए। मार्गों के प्रस्ताव अनुविभागीय अधिकारी

(राजस्व) और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तैयार करते हैं। जिला स्तरीय समिति उनकी जांच करती है और राज्य स्तरीय समिति चयन करती है। इससे गांवों की जरूरत और प्रशासनिक समीक्षा, दोनों को प्रक्रिया में जगह मिलती है।

योजना से पहले कोंटा से जगरगुंडा के 83 किलोमीटर के सफर में यात्रियों को पिकअप या मालवाहक वाहन में खुले हिस्से पर खड़े होकर यात्रा करनी पड़ती थी। इसके लिए 200 रुपये या उससे अधिक देना पड़ सकता था। अब इसी मार्ग पर योजना की बस में तय समय पर सीट के साथ यात्रा का किराया 130 रुपये है। गांवों के बीच छोटी दूरी

के लिए भी, जहां पहले वाहन उपलब्ध होने पर 200 रुपये तक देने पड़ते थे, अब निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार 50 रुपये में सफर संभव है।

यह बदलाव महिलाओं, बच्चों, मरीजों और बुजुर्ग यात्रियों के लिए खास मायने रखता है। बस में सीट और तय समय होने से यात्रा अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनती है। जून 2026 में कोंटा-जगरगुंडा मार्ग पर किए गए फील्ड सर्वे में यात्रियों ने बस सेवा को सुरक्षित बताया। नियमित बस सेवा का असर कई बार यात्रा के समय से आगे जाकर दिखाई देता है। कोंटा क्षेत्र का 12 वर्षीय एक छात्र रोज बस से भेजनी के स्कूल जाता है।

सनकी आशिक ने प्रमिका पर चाकू से किया वार

धमतरी। धमतरी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका पर चाकू से हमला कर दिया। इस चाकूबाजी में वो गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसका इलाज जारी है। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला कुरूद थाना क्षेत्र का है। युवती की पहचान अनीता मंडावी के रूप में हुई है, जो कि कोडगांव की रहने वाली है और बालाजी राइस मिल में काम करती है। वहीं युवक की पहचान दिलेश्वर के रूप में हुई है, जो कि भाटा गांव का रहने वाला है और वो भी अनीता के साथ काम करता है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी वक्त से प्रेम प्रसंग चल रहा है। दिलेश्वर अपने पैसों से अनीता के मोबाइल में रिचार्ज करवाता था, लेकिन उसे शक था कि उसके किए रिचार्ज से अनीता किसी और से घंटों बातें किया करती थी। इसी शक के चलते दिलेश्वर ने अनीता के घर में घुसकर उसपर चाकू से हमले में लड़की की कमर और जांघ समेत कई हिस्सों पर गहरे जख्म आए हैं। सबसे पहले उसे कुरूद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन नाजुक हालत को देखते हुए उसे धमतरी के एक प्राइवेट अस्पताल में रेफर कर दिया गया। फिलहाल कुरूद पुलिस ने इस सनकी आशिक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की तफ्तीश में जुट गई है।

कल से अग्रसेन जयंती महोत्सव का आगाज



राजनांदगांव। अग्रवाल समाज के अधिष्ठाता देव भगवान अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ 4 अक्टूबर को अग्रसेन भवन में सुबह 10 बजे मुख्य अतिथि नरेंद्र गोयल अग्र ध्वजारोहण के साथ करेंगे। इसके बाद भगवान अग्रसेन की पूजा-अर्चना एवं आरती होगी। 4 से 11 अक्टूबर तक चलने वाले महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। अग्रवाल सभा के कोषाध्यक्ष अशोक सिंघल, नवयुवक मंडल के कोषाध्यक्ष राहुल लोहिया एवं महिला मंडल की कोषाध्यक्ष सारिका अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रसेन जयंती महोत्सव की शुरुआत आज सुबह 10 बजे अग्रसेन भवन की प्राचीर पर अग्र ध्वजा फहराने के साथ होगी। ध्वजारोहण के पश्चात भगवान अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना एवं आरती की जाएगी। इस दौरान समाज के पदाधिकारी एवं अग्र बंधु उपस्थित रहेंगे। महोत्सव के पहले दिन दोपहर 3 बजे से नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में समाज के सदस्यों की उत्साहपूर्वक सहभागिता रहेगी।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

जंगल में लकड़ी बीनने गए युवक पर तेंदुए का हमला

महासमुंद्र। महासमुंद्र में एक युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया। यह पूरी घटना बागबाहरा वन परिक्षेत्र इलाके की है। कोमाखान सर्किल के कारीडोंगर जंगल में युवक लकड़ी बीनने गया था। इसी दौरान अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। युवक ने कुल्हाड़ी घुमाकर अपनी जान बचाई। कुल्हाड़ी के डर से तेंदुआ मौके से फरार हो गया। तेंदुए के हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के मुताबिक पंडरीपानी निवासी लक्ष्मी चंद यादव दो महिलाओं के साथ कारीडोंगर जंगल के कक्ष क्रमांक 109 में लकड़ी बीनने गया था। इसी दौरान पीछे से अचानक आए तेंदुए ने युवक पर हमला कर दिया। हमले से घबराई महिलाओं ने शोर मचाया, जबकि युवक ने अपने हाथ में मौजूद कुल्हाड़ी घुमाकर तेंदुए से बचने का प्रयास किया। इसके बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। हमले में घायल लक्ष्मी चंद यादव की बांह और कंधे पर नाखून के निशान आए हैं। घटना के बाद दोनों महिलाओं ने घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा पहुंचाया।

मानवता की सच्ची मिसाल पेश कर शीला प्रधान ने लिया देहदान का संकल्प

महासमुंद्र। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दान उत्सव मनाया जा रहा है इसी तारतम्य में सेवा और परोपकार की एक ऐसी प्रेरणादायी मिसाल सामने आई है, जो जीवन के साथ-साथ मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का संदेश देती है। महासमुंद्र निवासी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत शीला प्रधान ने देहदान का संकल्प लेते हुए आज अपना घोषणा-पत्र कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह को सौंपा।

आज उनको इस पुण्य कार्य सेवा के लिए सेवा उन्नेतु शिविर कोसरंगी में शाल,श्रीफल ,गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। इस आशय का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर शीला प्रधान ने कहा कि जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं है, बल्कि जीवन की सार्थकता इस बात में है कि हम किसी के काम आ सकें। उन्होंने कहा कि ये मानवता



की ये नैतिक जिम्मेदारी है कि हम समाज के किसी तरह काम में आ सकें। वे एकल महिला हैं और अपने जीवन को परोपकार तथा समाजसेवा के कार्यों के लिए समर्पित करना चाहती हैं।

छत्तीसगढ़

पीएम मातृ वंदना योजना से सुबलाया चौहान को मिला पोषण और सुरक्षित मातृत्व का संबल

महासमुन्द्र। पीएम नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में जनकल्याण और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प निरंतर केंद्र में रहा है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना इसी संकल्प का हिस्सा है। योजना के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे सुरक्षित मातृत्व को



बढ़ावा मिल रहा है। महासमुन्द्र जिले के विकासखंड सरायपाली अंतर्गत ग्राम रूढ़ा की

श्रीमती सुबलाया चौहान को भी योजना के माध्यम सुरक्षित मातृत्व का लाभ मिला। श्रीमती सुबलाया चौहान बताती हैं कि गर्भवती होने के बाद स्वास्थ्य जांच के लिए वे आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। टीकाकरण दिवस के दौरान हुई प्रथम जांच में उनके शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा काफी कम पाई गई और वे एनीमिया से पीड़ित थीं। ऐसे समय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती उषा भोई ने गृह भेंट के दौरान सुबलाया एवं उनके परिवारजनों को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

की जानकारी दी और योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से समझाया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा उनका आवेदन तैयार कर ऑनलाइन प्रविष्टि की गई। इसके लगभग एक माह के भीतर योजना की पहली किस्त के रूप में 3 हजार रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। सुबलाया ने इस राशि का उपयोग अपने और गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषण सामग्री जुटाने में किया। उन्होंने नियमित रूप से पौष्टिक आहार

का सेवन शुरू किया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में समय-समय पर प्रास की नियमित स्वास्थ्य जांच, उचित पोषण और सतत देखभाल का सकारात्मक परिणाम सामने आया। गर्भावस्था के अंतिम चरण तक सुबलाया चौहान का हीमोग्लोबिन स्तर 8 ग्राम से बढ़कर 11 ग्राम हो गया। इसके बाद उन्होंने सुरक्षित प्रसव के दौरान 3.5 किलोग्राम वजन के स्वस्थ बालक को जन्म दिया।

प्राथमिक शाला सिरींखुर्द में बेगलेस डे पर मनाई गांधी-शास्त्री जयंती

फिंगेश्वर गरियाबंद।

प्राथमिक शाला सिरींखुर्द में बेगलेस डे के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती श्रद्धा एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सद्भावना के विचारों से परिचित कराया गया। साथ ही पितृपक्ष के महत्व एवं भारतीय संस्कृति में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा की परंपरा पर भी प्रकाश डाला गया। लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि वे सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने देश को जय जवान, जय किसान का प्रेरणादायी मंत्र दिया और राष्ट्र की सुरक्षा तथा कृषि विकास के महत्व को रेखांकित किया। उनका सादा जीवन और उच्च विचार आज भी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। संस्था के प्रभारी प्रधान पाठक एवं राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक खोमन सिन्हा गुरुजी ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सद्भावना के आदर्शों तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन में अपनाकर बच्चों, समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना ही इन महान विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा आपसी प्रेम, भाईचारे और अनुशासन की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। पितृपक्ष के संबंध में उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति में अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करने की विशेष परंपरा है। पितृपक्ष के दौरान परिवारजन श्रद्धापूर्वक अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं, तर्पण करते हैं तथा विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं।



विधायक रेणुका सिंह के नेतृत्व में गुजरात से आए बाइक यात्रियों का आत्मीय स्वागत

एमसीबी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा, समर्पण और जनसेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उनके जन्मस्थान गुजरात के वडनगर से कर्मभूमि वाराणसी, उत्तर प्रदेश तक सेवा संकल्प अभियान के तहत बाइक रैली निकाली जा रही है। इस अभियान के माध्यम से देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की सेवा एवं समर्पण यात्रा का संदेश पहुंचाया जा रहा है।

इसी क्रम में वडनगर, गुजरात से निकली बाइक रैली का छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले के विकासखंड भरतपुर स्थित नगर पंचायत जनकपुर में भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। भगवान श्रीराम के ननिहाल के रूप में प्रसिद्ध जनकपुर की धरती पर पहुंची बाइक रैली का पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भरतपुर-सोहहत विधायक रेणुका सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने



पुष्पवर्षा और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा से रैली के छत्तीसगढ़ में प्रवेश करते ही विधायक रेणुका की गई तथा करीब 7 किंटल कार्यकर्ताओं ने बाइक यात्रियों का

ससम्मान अभिनंदन किया। इसके बाद रैली को जनकपुर लाया गया, जहां स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। जेसीबी के माध्यम से विधायक रेणुका की गई तथा करीब 7 किंटल गेंदा और गुलाब के फूलों से बाइक

आदर्श सामूहिक विवाह 15 अप्रैल 2027 को कराने का निर्णय

बलौदा। कन्नौजिया तेली समाज की साधारण सभा का आयोजन बाला जयंती हायर सेकेंडरी विद्यालय, डोंगरी में किया गया। सभा की अध्यक्षता केदार साव ने की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामफल साव सहित समाज के अनेक उपदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभा में सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती, आदर्श सामूहिक विवाह, सामाजिक परंपराओं में आवश्यक बदलाव तथा समाज के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।सभा को प्रदेश अध्यक्ष रामफल साव के साथ महेश साहू, उमेश साहू, दयाराम साहू, प्रकाश चंद साहू, श्रीमती सरोज साहू, सुरेश



साहू, रथराम साहू, शेष साव एवं तरुण साहू ने संबोधित किया। वक्ताओं ने समाजहित से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे तथा संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी सभा के समक्ष प्रस्तुत की। अधिवेशन में समाज की ओर से आगामी आदर्श सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से

आगामी सामूहिक विवाह के लिए 15 अप्रैल 2027, रामनवमी की तिथि निर्धारित की गई।निर्णय के अनुसार, विवाह के लिए रिश्ता तय करते समय ही वर एवं वधू पक्ष के परिवारों के बीच सामूहिक विवाह में शामिल होने के संबंध में चर्चा कर सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। समाज की सभी ग्रामीण इकाइयों के पदाधिकारियों से अपने-अपने गांव में विवाह तय हो चुके परिवारों से संपर्क कर उन्हें सामूहिक विवाह के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आयोजन समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया।

ओबीसी महासभा ने बुलंद की 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग

जगदलपुर। राष्ट्रीय जनगणना

2027 में ओबीसी जातिवार डेटा संकलन के लिए अनुसूची में संसोधन और अलग-अलग मांगों को लेकर ओबीसी महासभा ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टोरेट में ज्ञापन सौंपा।इससे पहले ओबीसी समाज ने कोंडगांव में विशेष महासभा का आयोजन करके रैली भी निकाली। ओबीसी वर्ग के संभागीय अध्यक्ष दिनेश यदु ने बताया कि जनगणना के कॉलम में ओबीसी वर्ग को शामिल करने और समान आरक्षण की मांग को लेकर पूरे छत्तीसगढ़ के जिलों में प्रधानमंत्री के



नाम ज्ञापन सौंपा जा रहा है। जिसके बाद कोंडगांव जिले में विशेष महासभा का आयोजन किया गया है। जिसमें लाखों की संख्या में भीड़ उपस्थित होगी।

ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए प्रेम प्रकाश पाण्डेय

भिलाई। शहर के स्मृति नगर इलाके में शुक्रवार को ब्राह्मण समाज का एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम स्थानीय लोगों ने आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पूर्व विस अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय भी शामिल होने पहुंचे। इस आयोजन में बड़ी संख्या में छात्र भी शामिल होने पहुंचे। आयोजकों ने जब पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय को मंच पर बुलाया और उनसे कहा कि वो भविष्य के नौनिहालों का मार्गदर्शन करें। जिसपर पूर्व मंत्री ने कहा कि आपने भिलाई शहर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत बस बच्चों और होनहार प्रतिभाओं को निखारने और सही मार्ग दिखलाने की है। पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा कि शहर में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की प्रतिभाएं मौजूद हैं। लोगों को चाहिए कि वो सकारत्मकता की ओर बढ़ें न कि नकारात्मकता की ओर जाएं। छात्रों के माता-पिता से अपील करते हुए प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा, नौनिहालों का भविष्य गढ़ना माता-पिता और शिक्षकों की बड़ी जिम्मेदारी है।

किन्नरों और पिता पुत्र के बीच सरेराह जमकर मारपीट

कोरबा। कोयलांचल क्षेत्र दीपका थाना अंतर्गत कटघोरा रोड में दिनदहाड़े किन्नरों और निजी कंपनी में कार्यरत पिता-पुत्र के बीच विवाद के बाद जमकर मारपीट हुई। किन्नरों के समूह और अज्ञात व्यक्तियों के बीच यह मारपीट करीब 10 मिनट तक चली। इस दौरान दोनों तरफ से लात-धूँसे चले। मारपीट में चाकू लहराए जाने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई, चाकू से भी कुछ लोगों को कोट लगने की सूचना है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने दोनों ही पक्षों की शिकायत प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है। किन्नर समाज के लोग क्षेत्र में डोलक बजाते हुए दुकानों और घरों में जाकर बधाई दे रहे थे। कथित तौर पर चंदा भी इकठ्ठा कर रहे थे। इसी दौरान वे बजरंग चौक के पास कटघोरा रोड स्थित संजय पान पैलेस पहुंचे। यहीं किसी बात को लेकर किन्नरों और दुकान पर मौजूद लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इस दौरान कथित तौर पर अश्लील हरकत करने की भी चर्चा है। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई।

सूरजपुर में जवान विजेंद्र ठाकुर का अंतिम संस्कार

सूरजपुर। सूरजपुर के जवान विजेंद्र ठाकुर की संदिग्ध हालत में बीजापुर में मौत हो गई थी। विभाग ने उनकी मौत को खुदकुशी बताया। लेकिन परिजनों ने इसे हत्या बताया और न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार को देवनगर में जवान का अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान परिजनों और गांव वालों ने खुद जवान को तिरंगे में लिपटकर अंतिम विदाई दी। दरअसल एसएफ 6 बटालियन में पदस्थ जवान विजेंद्र ठाकुर की बीजापुर में मौत हो गई थी। विभाग ने मौत की वजह खुदकुशी बताया। बटालियन की ओर से जवान का शव गांव पहुंचाए जाने के बाद परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया। परिवार ने जवान की मौत के पीछे किसी साजिश या हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों ने आरोप लगाया कि जवान का शव गांव लाए जाने के दौरान विभाग के किसी अधिकारी की मौजूदगी नहीं थी। परिवार ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जताई कि उसे शहीद का दर्जा नहीं दिया गया।

छग में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का बड़ा आंदोलन

कोंडगांव। कोंडगांव में 3

सूत्रीय मांगों को लेकर सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने शनिवार को बड़ा आंदोलन किया। रैली निकालने के बाद विकास नगर स्टेडियम में समाज के करीब 12 हजार लोग एकजुट हुए। इसके मद्देनजर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए। जानकारी के मुताबिक, तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। इस कड़ी में दूसरे चरण में आंदोलन आज कोंडगांव पहुंचा। जहां रैली निकालकर समाज के लोग बड़ी संख्या में विकास नगर स्टेडियम में आयोजित आंदोलन में शामिल



हुए। मांगे पूरी नहीं तक समाज ने आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी गई है। सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के संभागीय अध्यक्ष तरुण सिंह ने बताया कि हक के लिए आवाज उठाने आज कोंडगांव में समाज के लोग बड़ी संख्या एकजुट हुए हैं। तीन प्रमुख मांगे हैं, जिसमें पहली 27 प्रतिशत आरक्षण, दूसरा पेसा कानून एक्ट में शामिल करना और जातिगत जनगणना सर्व फॉर्म में अलग से समाज का कॉलम और कोड होना चाहिए।

साथ ही समाज के सर्वांगीण विकास से संबंधित मांगे भी पूरी हो। उन्होंने कहा कि इससे पहले प्रथम चरण में कांकेर में आंदोलन किया गया था। इसके बाद दूसरा चरण में आज कोंडगांव में आंदोलन जारी है। अगले चरण में सुकमा जिले में आंदोलन होगा। इस तरह चरणबद्ध तरीके से सारगवर आंदोलन जारी रहेगा। सरकार जब तक मांगों को नहीं मानती तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्रि में महामाया मंदिर में केवल भजन व जसगीत का गायन होगा

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित प्राचीन श्री राज राजेश्वरी महामाया माता मंदिर में आगामी 11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। इस दौरान होने वाले धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान केवल भजन व जसगीत का गायन ही होगा। महामाया मंदिर न्यास समिति की संघन हुई बैठक में लिये गये गये निर्णय की जानकारी मंदिर व्यवस्थापक विजय झा ने बताया कि दोनों नवरात्रि में जो सांस्कृतिक कार्यक्रम भजन मंडली आदि का कार्यक्रम होता था, उसमें कानून व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब सांस्कृतिक कार्यक्रम के स्थान पर केवल देवी के जस गीत, सेवा गीत ही गए जाएंगे, जो संंध्या दो पाली में संध्या 6 से 8 बजे से तक तथा 9 बजे से 11 बजे तक मंडलियों के द्वारा जस गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। विगत वर्षों में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान असामाजिक तत्वों के प्रवेश के कारण मंदिर की व्यवस्था में बाधा के साथ-साथ मां भगवती के दर्शन व मनोकामना ज्योति कलश के दर्शन के लिए आते हैं उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रम के भीड़ के कारण परेशानी होती थी। इन सब पहलुओं को ध्यान में रखते हुए न्यास समिति के अध्यक्ष ब्यास नारायण तिवारी, सचिव दुर्गा प्रसाद पाठक की अध्यक्षता में संघन हुई बैठक में यह निर्णय लिये गये। झा ने बताया कि मनोकामना ज्योति शुल्क 700 रुपए प्रतिदिन सुबह शाम कार्यालय अवधि में श्रद्धालुजन जमा कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में इस मानसून 102.1 प्रतिशत औसत बारिश दर्ज

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 03 अक्टूबर 2026 तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, इस मानसून सीजन में पूरे राज्य में सामान्य से बेहतर वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से शुरू हुए इस वर्षा सत्र में अब तक राज्य का औसत वर्षा प्रतिशत पिछले 10 वर्षों के औसत के मुकाबले 102.1 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब तक औसतन 1155.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि पिछले एक दशक के आधार पर इस अर्वाधि का सामान्य औसत 1131.1 मिलीमीटर रहा है। प्रदेश भर में बारिश का वितरण काफी विविध देखने को मिल रहा है। जहाँ एक ओर बरारामपुर जिले ने 165.3 प्रतिशत की औसत दर और 1556.6 मिलीमीटर बारिश के साथ वर्षा प्रतिशत के मामले में पूरे राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है, वहीं कुल वर्षा के परिमाण में नारायणपुर जिला 1720.2 मिलीमीटर के साथ सबसे आगे है। दूसरी ओर, राज्य के मैदानी और कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में अपेक्षित बारिश नहीं हो पाई है, जिनमें बेमेतरा जिला महज 674.9 मिलीमीटर बारिश और 80.4 प्रतिशत वर्षा दर्ज करके सूची में सबसे निचले पायदान पर है।

वरिष्ठ भाजपा नेता अजय चंद्राकर के बिगड़े बोल, अधिकारी को कही गाड़ने की बात

रायपुर। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के बिगड़े बोल एक बार फिर चर्चा में हैं। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अधिकारी के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता के बिगड़े बोल पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अजय चंद्राकर एम्स में जाकर मानसिक चेकअप कराए और थोड़ा आराम करें। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें वे किसानों के बीच वे अधिकारी से धान की फसल के लिए बांध से पानी छोड़े जाने पर चर्चा में कह रहे हैं कि आपका ईई कहता है कि ग्रामीण नेतागिरि कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिखता तो उसको गाड़ देता। वायरल वीडियो पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल से बाहर रहने के बाद अजय चंद्राकर फरस्ट्रेटो हो गए हैं। लगातार नवहूत भाषा का उपयोग करते हैं। बीजेपी के वरिष्ठ को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। कई बार परिस्थितियाँ और मानसिक स्थिति सही नहीं रहती है। अजय चंद्राकर एम्स में जाकर मानसिक चेकअप कराए और थोड़ा आराम करें। आप जैसे वरिष्ठ नेता मानसिक संतुलन खोएगा तो प्रदेश का नुकसान होगा।

हिंदी छत्तीसगढ़ी रीमिक्स पर जमकर छात्र-छात्राओं ने डांस किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता प्रकाश अवस्थी महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के आयोजित फंशर पार्टी में पहुंचे और नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के साथ जमकर लुमके लगाए। वही रीमिक्स पर डांस करते हुए छात्राओं ने अभिनेता के साथ सेल्फी ली । आनंद और मस्ती भरे इस कार्यक्रम में नृत्य की ऐसी महफिल जमी की नए पुराने सभी गानों पर सीनियर जूनियर और टीचर भी झूमते हुए दिखलाई पड़े बता दे कि महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में नए प्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत में आज फंशर पार्टी का आयोजन किया गया था। जिसमें मंच पर मौजूद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी, संस्था के अध्यक्ष श्री अजय तिवारी, डॉ किरण अग्रवाल सहित शिक्षकों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में पहले तो छात्र-छात्राओं ने पञ्चरत्नी रीमिक्स पर 1 घंटे तक कड़ी धूप में जमकर डांस किया। अभिनेता प्रकाश अवस्थी ने छात्र-छात्राओं से संबोधन में माता-पिता के आदर्शों को पूरा करने की अपील की अपने सपनों को पूरा करने की अपील की और अनुशासन के साथ शिक्षा हासिल करने का भी आह्वान किया। वहीं संस्था के अध्यक्ष तिवारी ने भी दो शब्दों में बच्चों को आशीर्वाद दिया।

राजधानी/छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के एक स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर चुका है: चिमनानी

■ **9,800 से अधिक को मिला वित्तीय प्रोत्साहनों व कर छूट का लाभ, 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित**

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास, वैश्विक निवेश और रोजगार सृजन के एक स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर चुका है। राज्य सरकार की पारदर्शी नीतियों, सुगम ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस और मजबूत इच्छाशक्ति का ही परिणाम है कि आज छत्तीसगढ़ घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभर रहा है। एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने ये बातें कहीं।

चिमनानी ने बताया कि राज्य में औद्योगिक विस्तार को गति देने के लिए अब तक लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश हेतु कुल 280 परियोजनाओं के सहमति पत्र (एमओयू) हस्ताक्षरित किए जा चुके हैं। कुल 280 परियोजनाओं में से 55 प्रतिशत पर परियोजनाओं पर निवेशकों को जमीन देने की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है या तो प्रगति पर है। जो सरकार की तीव्र कार्यप्रणाली को प्रमाणित करता है। सभी निवेश प्रस्तावों और परियोजनाओं के पूर्ण रूप से स्थापित होने पर राज्य में 1.6 लाख से अधिक नवीन प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित



होने का अनुमान है। जिन परियोजनाओं में निर्माण व उत्पादन कार्य प्रारम्भ हो चुका है, उनके माध्यम से हजारों स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल चुका है।

आँकड़ों के हवाले से बताया कि औद्योगिक नीति के तहत वर्ष 2023 से 2026 के मध्य राज्य की 6,310 औद्योगिक इकाइयों को कुल 1,594.97 करोड़ रुपये की पूंजीगत एवं ब्याज सब्सिडी वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश की 3,503 इकाइयों ने स्ट्याम शुल्क और विद्युत शुल्क में मिलने वाली विशेष छूट का सीधा लाभ प्राप्त किया है। इस प्रकार, 9,800 से अधिक लाभान्वित इकाइयों के माध्यम से स्थानीय कुशल और अकुशल कार्यबल को बड़े पैमाने पर रोजगार से जोड़ा गया है। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सिंग फोरम में भाग लेने के लिए पूरे देश से केवल दो राज्यों—छत्तीसगढ़ और हरियाणा— का चयन किया

यूथ कांग्रेस के चुनाव ने कांग्रेस के आंतरिक कलह और सिरफुटौव्वल को चौराहे पर ला दिया है : टिकरिहा

रायपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के युवक कांग्रेस के चुनावों को लेकर बयान पर कड़ा कटाक्ष करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने कहा कि यूथ कांग्रेस के तथाकथित आंतरिक चुनाव ने पार्टी की संयटनात्मक दुर्गति, गुटबाजी और बिखराव की पोल खोलकर रख दी है। युवा कांग्रेस चुनाव में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के बेटे ने भी नामांकन दाखिल किया था लेकिन आयु अधिक होने की वजह से उनका नामांकन रद्द हो गया था कहीं इसी के चलते अमरजीत भगत खीज निकालने के लिए तो नहीं बोल रहे हैं। श्री टिकरिहा ने कहा कि कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता खुद यह स्वीकार कर रहे हैं कि यूथ कांग्रेस चुनावों के कारण पार्टी में खेमेबाजी, सिरफुटौव्वल और



खुलेआम आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

टिकरिहा ने कहा कि पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का यह कहना कि चुनाव बंद होने चाहिए क्योंकि इससे पार्टी मजबूत होने के बजाय अंदर से कमजोर हो रही है, यह साबित करता है कि कांग्रेस अब नेतृत्वविहीन और अंतर्कलह से ग्रस्त संगठन बनकर रह गई है। कांग्रेस के नेता खुद मान रहे हैं कि यह गुटबाजी और आपसी रंजिश

रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी का अपहरण, जबरन ले गए तीन लोग

रायपुर। राजधानी रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र के डीएम टावर के पास की बताई जा रही है, जहां काले रंग का की स्कॉर्पियो में सवार तीन लोग ट्रांसपोर्ट कारोबारी प्रतीक राय को जबरन अपने साथ ले गए। घटना के बाद से कारोबारी का मोबाइल फोन बंद है। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 2 अक्टूबर की दोपहर करीब 2:28 बजे की है। प्रतीक राय घर से खाना खाने के लिए डीएम टावर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें बातचीत के बहाने नीचे बुलाया। नीचे पहुंचने के बाद उन्हें जबरन काले रंग की स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले जाया गया। घटना के बाद जब प्रतीक राय से संपर्क करने की कोशिश की गई तो



शर्मा, शानू कश्यप सहित जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने गर्मशोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और जनसेवा से राष्ट्रसेवा तक की यात्रा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया।

घुरटीटोला में स्वागत के पश्चात बाइक रैली को उत्साहपूर्ण वातावरण में श्याम हेरिटेज, मनेन्द्रगढ़ तक लाया गया। रैली में शामिल बाइकर्स ने सेवा, समर्पण और विकसित भारत के संकल्प का संदेश देते हुए

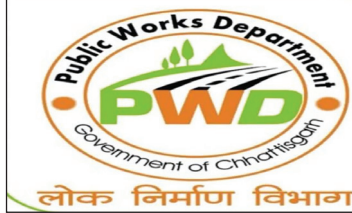
जाना प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। सिंगापुर दौरे का मुख्य उद्देश्य ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और फूड प्रोसेसिंग जैसे उच्च रोजगार क्षमता वाले क्षेत्रों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों को राज्य में आकर्षित करना है।

चिमनानी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय का पूर्व जापान दौरा अत्यन्त फलदायी साबित हुआ है। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेईटीआरओ/जेट्रो) के साथ निरन्तर संवाद के बाद जुलाई माह में जेट्रो की उच्चस्तरीय टीम ने छत्तीसगढ़ का दौरा किया। जापानी दल ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी), फार्मा पार्क, रेडीमेड गारमेंट्स पार्क और टेक्सटाइल पार्क की विश्वस्तरीय अधोसंरचना का निरीक्षण किया। जेट्रो ने अपनी आधिकारिक वैश्विक वेबसाइट पर छत्तीसगढ़ के औद्योगिक अवसरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया है, और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जापानी निवेशकों से निरन्तर संवाद जारी है। राज्य सरकार का लक्ष्य केवल कारखाने लगाना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ को एक आत्मनिर्भर, समृद्ध और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र बनाना है, जिसका सीधा लाभ यहाँ के युवाओं और किसानों को मिलेगा। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया के सह संयोजक राहुल राय एवं मीडिया पैनलिस्ट निशिकांत पांडे मौजूद रहे।

गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग ने जांच समिति गठित की

■ **समिति तीन दिनों में प्रमुख अभियंता को देगी रिपोर्ट**

रायपुर। लोक निर्माण विभाग ने राजनांदगांव-खैरागढ़ मुख्य मार्ग के नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य तथा राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क परियोजनाओं में कथित गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई है। समिति निर्माण कार्यों के विभिन्न पहलुओं और शिकायत की जांच कर तीन दिनों में प्रमुख अभियंता को रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति में मुख्य अभियंता श्री व्ही.एस. कोरम, अधीक्षण अभियंता श्री राजीव नशीने तथा कार्यपालन अभियंता श्री लक्ष्मण सक्सेना और



श्री सी.एस. ओगरे शामिल हैं।

लोक निर्माण विभाग द्वारा गठित जांच समिति राजनांदगांव-खैरागढ़ सड़क एवं राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क परियोजनाओं की किसी स्वतंत्र संस्था से उच्च स्तरीय जाँच कराने, जीएसबी, डब्ल्यूएमएस सब-ग्रेड, डामरीकरण, बिटुमिन की मात्रा, सड़क की मोटाई, घनत्व, ग्रेडेशन, लेवल एवं अंड्रूलेशन सहित सभी तकनीकी मानकों की प्रयोगशाला से जांच

जैसी बिंदुओं पर जांच करेगी।

समिति निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए उत्तरदायी अधिकारियों एवं कार्यपालन एजेंसी की भूमिका, जांच पूर्ण होने तक संबंधित कार्यों के

भुगतान पर रोक लगाने पर विचार करने, गुणवत्ता से समझौता, वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार सिद्ध होने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही तथा डोंगरगांव-कुमरदा सहित जिन स्थानों पर सड़क उखाड़कर छोड़ी गई है, वहां तत्काल सुरक्षित आवागमन हेतु मरम्मत, चेतावनी संकेत एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंध में अपनी रिपोर्ट देगी।

सेवा संकल्प अभियान : 8 किलोमीटर पैदल चलकर बेंगपाल पहुंची स्वास्थ्य टीम

रायपुर। जहां सड़कें खत्म हो जाती हैं, वहां अक्सर सरकारी सेवाओं की पहुंच भी मुश्किल हो जाती है। लेकिन सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य ही उन दूरस्थ इलाकों तक पहुंचना है, जहां जरूरत सबसे अधिक है। इसी संकल्प को साकार करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बैलाडीला के अंतिम छोर पर बसे पहुंचविहीन ग्राम बेंगपाल तक पहुंचने के लिए करीब 8 किलोमीटर का पैदल सफर तय किया। गांव में पहुंचने के बाद पेड़ की छंव के नीचे ही स्वास्थ्य शिविर लगाया गया और यही छॉव ग्रामीणों के लिए उस दिन अस्पताल बन गई।

मौके पर स्वास्थ्य अमले ने गांव के 106 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में प्रत्येक ग्रामीण की मलेरिया जांच की गई। वहीं 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की गैर-संचारी



रोग कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच की गई। साथ ही महिलाओं का गर्भवती पंजीयन तथा बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। शिविर के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे उपचार एवं ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल भेजने की प्रक्रिया की गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के

वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रधानमंत्री वय वंदना योजना से संबंधित कार्ड की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

बेंगपाल में आयोजित यह शिविर केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का माध्यम भी बना। 8 किलोमीटर का पैदल सफर तय कर स्वास्थ्यकर्मियों का गांव तक पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच को अंतिम व्यक्ति तक ले जाने का संकल्प केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे धरातल पर उतारा जा रहा है। बेंगपाल के ग्रामीणों के लिए पेड़ की छॉव में लगा यह शिविर शायद एक साधारण स्वास्थ्य शिविर हो, लेकिन स्वास्थ्य अमले के लिए यह उस संकल्प की तस्वीर है, जिसमें दूरी कितनी भी हो, सेवा का रास्ता कभी नहीं रुकता।

जन सेवा से राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष का संदेश लेकर पहुंची बाइक रैली, कृषि मंत्री ने किया स्वागत

रामविचार नेताम ने कहा - सेवा को जीवन का हिस्सा बनाएं, युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं

यात्रा पूरी की। मार्ग में नागरिकों ने भी बाइक रैली का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा का उद्देश्य जनसेवा के 25 वर्षों की प्रेरक यात्रा को जनभागीदारी से जोड़ते हुए विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करना है।

प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनसेवा से राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर की 25वीं वर्षगांठ की बाइक यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण का संदेश लेकर मनेन्द्रगढ़-निरमिरी-भरतपुर पहुंची है। जिले की जनता द्वारा यात्रा का आत्मीय स्वागत गौरव का विषय है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विकसित भारत के निर्माण में किसान, युवा, महिला और गांवों की महत्वपूर्ण

भूमिका है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल, रोजगार, नवाचार और सामाजिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने सभी से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लेने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनसेवा से राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर की 25वीं वर्षगांठ की बाइक यात्रा सेवा, समर्पण और सहभागिता का संदेश लेकर जिले में पहुंची है। उन्होंने बाइकर्स का स्वागत करते हुए कहा कि यह यात्रा युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार का प्रयास अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं की समान भागीदारी जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति सहयोग का आह्वान किया।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को स्वच्छता किट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें लालपुर की रीना बाई, चौनपुर की राधिका बाई एवं रामप्रसाद सादजी, चौघड़ा की शांति बाई, बीरीडांड की शीता सिंह, सुभागिया बाई, सुनुरीा बाई एवं गनमतिया बाई शामिल हैं।

सेवा संकल्प अभियान के इस आयोजन के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर हितराहियों तक पहुंचाया गया। एक ओर जहां वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा ने जनसेवा और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हितराहियों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान कर सेवा की भावना को धरातल पर साकार किया गया।

ममता का इंडिया गठबंधन को एकजुट होने का आह्वान

राहिल नोरा चोपड़ा

एस.आई.आर. विवाद पर व्यापक विपक्षी एकजुटता का आह्वान करते हुए, टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के नेताओं से अपने अहंकार से ऊपर उठने का आग्रह किया और कहा कि भाजपा और उसके षड्यंत्रों से मुकाबला करने के लिए असाधारण परिस्थितियों में असाधारण कदमों की आवश्यकता होती है। बैठक में, इंडिया गठबंधन के लगभग 20 दलों ने रैलियों और लोकतंत्र बचाओ मार्च सहित एक संयुक्त कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया। इस बीच, ममता बनर्जी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को विपक्षी गठबंधन के चेहरे के रूप में समर्थन दिया और कहा कि यदि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह कभी इसका विरोध नहीं करेंगी। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से इस पर सावधानी भरा बयान आया, कि इस बातचीत का उद्देश्य नेतृत्व के पदों पर चर्चा करना नहीं, बल्कि देश के सामने आने वाली चुनौतियों का एक एकजुट जवाब तैयार करना था। ममता ने प्रस्ताव रखा कि इंडिया गठबंधन को अन्य समूहों और राजनीतिक दलों तक भी पहुंच बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने बीजद से बात की है और उन्होंने भी लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ लड़ने की आवश्यकता पर अपनी चिंता व्यक्त की। नई दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लेने के बाद, जहां टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी को यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ गर्मजोशी भरे पल सांझा करते देखा गया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी से कांग्रेस में वापस शामिल होने के लिए कहा क्योंकि उन्होंने 28 साल पहले तुण्मूल कांग्रेस बनाने के लिए पार्टी छोड़ दी थी। अधीर रंजन चौधरी ने कहा, “मैं सुश्री बनर्जी से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस के बिना आपका राजनीतिक जीवन समाप्त हो जाएगा। यही कारण है कि उन्हें व्यावहारिक होने की आवश्यकता है। यही कारण है कि उन्होंने एक व्यावहारिक निर्णय लिया और इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लिया। इसलिए, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि चीजों को जटिल न करें और सीधे कांग्रेस में शामिल हो जाएं।” ममता बनर्जी के जाने-माने विरोधी चौधरी ने यह भी कहा कि कांग्रेस राज्य में उनके नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि देश और राज्य के लोग वर्तमान में भाजपा के आपातकाल के दौर से गुजर रहे हैं और इसे पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के खिलाफ उन्पीड़न की अवधि बताया। राज्यसभा चुनाव में एक उद्योगपति को मैदान में उतारने के संबंध में अखिलेश ने दोहराया कि समाजवादी पार्टी के प्रभाव की छाया कॉर्पोरेट जगत पर भी पड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए सरकारी निवेश के साथ-साथ कॉर्पोरेट निवेश भी जरूरी है। चुनाव आयोग के कामकाज और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) को लेकर चल रहे विवाद के बीच इंडिया गठबंधन ने बैलेट पेपर से मतदान की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ई.वी.एम.) भाजपा द्वारा नियंत्रित ऐसी मशीनें हैं, जो अपनी जरूरत के अनुसार काम करती हैं और विपक्ष अब सत्तारूढ़ दल को इसका उपयोग करने की अनुमति नहीं दे सकता, क्योंकि उन्होंने भारत की चुनाव प्रणाली में विश्वास और भरोसा बहाल करने के लिए वापस बैलेट पेपर की ओर लौटने पर जोर दिया। खरगे ने कहा कि पूरी तरह से बेनकाब हो चुके ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए, यदि उममें थोड़ी भी संवैधानिक या नैतिक भ्रम बची है और उन ताकतों के खिलाफ गवाह बन जाना चाहिए, जो मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय

12- प्रकीर्ण दार्शनिक सम्प्रदाय

गतांक से आगे...

परन्तु फिर भी मुख्य 2 दार्शनिक सम्प्रदाय–वैदिक और अवैदिक–वे 11 ही हैं जिनका वर्णन ऊपर किया गया है।

13–भारतीय दर्शनों का विभाण

भारतीय दर्शनों का साधारणतया प्रचलित विभाण निम्न प्रकार से है:–

तीन नास्तिक दर्शन:–

- चार्वाक,
- जैन और
- बौद्ध

छै आस्तिक दर्शन:– जिन में प्रत्येक दो दर्शन परस्पर सम्बद्ध हैं :–

- 1– पूर्वमीमांसा और उत्तरमीमांसा (वेदान्त),
- 3–4 सांख्य और योग
- 5–6 न्याय और वैशेषिक,

पूर्वमीमांसा और उत्तरमीमांसा में कोई सिद्धान्त

सम्बन्धी समानता नाम मात्र की भी नहीं है, उनका परस्पर सम्बन्ध केवल इतना ही है कि पूर्वमीमांसा का वेद के पूर्वभाग अर्थात् कर्मकाण्ड से सम्बन्ध है और उत्तरमीमांसा का वेद के उत्तर (अन्तिम) भाग अर्थात् उपनिषदों के ज्ञानकाण्ड से सम्बन्ध है, अर्थात् उन दोनों का सम्बन्ध एक बाह्य बात के आधार पर है न कि आन्तरिक सिद्धान्त सम्बन्धी समानता के आधार पर । बाकी दो 2 दर्शनों के दोनों युग्मों में अर्थात् सांख्य और योग में तथा न्याय और वैशेषिक में सिद्धान्त सम्बन्धी समानता है जैसा कि आगे स्पष्ट किया जायगा । इस प्रकार उपयुक्त रीति पर कुल मुख्यं 2 भारतीय दर्शन नौ होते हैं, ऊपर के पृष्ठों में भारतीय दर्शनों के अलग अलग सिद्धान्तों और पारस्परिक सम्बन्ध के विषय में जो कुछ कहा गया है उस दृष्टि से देखें, तो निम्नलिखित 11 मुख्य 2 भारतीय दर्शन होते हैं।

क्रमशः ...



ज्ञान/मीमांसा

अब तक विरोधियों से ताकत पाते रहे मोदी क्या चक्रव्यूह तोड़ पाएंगें?

प्रो. संजय द्विवेदी

मोदी है तो मुमकिन है यह सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों के सत्ताकाल में इसे अर्जित किया है। चुनावों में इस भावना को ‘मोदी की गारंटी’ कहा गया। यही विचार था जो मोदी को संगठन और विचार से बड़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। वह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाने का सपना। इस मायने में वे सपनों के सौदागर भी हैं। अच्छे दिन आने वाले हैं से लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास तक यह सातत्य दिखता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है।

सुशासन, विकास और संवाद है मंत्र-ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो आकांक्षाओं से भरा-पूरा था। अवसाद की चादर को फेंक कर कुछ करना चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था। मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक तंत्र और नेताओं की इज्जत थोड़ी बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय याद करें तो वह ‘नीतिगत जड़ता’ का समय था, घोटालों की खबरें से हलाकान देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी। तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे और लोगों ने उनमें राष्ट्रनायक की छवि देखी। उनका साधारण अतीत भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के दर्द पता हैं और वे संकटों के ठोस और वाजिब हल निकालेंगें। इस भरोसे ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर न सिर्फ बिठाया बल्कि तमाम राज्यों में भी भाजपा और राजग की सरकारें बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार कहकर संबोधित किया गया।

अति आत्मविश्वास से बचने की जरूरत- गुजरात और दिल्ली के ‘सत्ता साकेत’ में लगभग ढाई दशक पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर इस समय विपक्ष और समाज के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे तो खुद उनकी सरकार ने दिए तो कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं। जिसमें पेपरलीक, एनटीए की



नाकामी, इथेनाल और चुनाव आयोग जैसे मुद्दे हैं। नरेटिव की जंग में मोदी का मुकाबला नहीं, किंतु हर बार ऐसा नहीं होता। कई बार अतिआत्मविश्वास भी युक्तसानदायक होता है। जनता सब कुछ कर सकती है, किंतु अहंकार स्वीकार नहीं करती। सच तो यह है कि विपक्ष के बिखराव और आपसी खींचतान के बाद भी सरकार न तो सदन चला पाई न सामने से उठ रहे सवालों के उत्तर दे पाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मोदी थक गए हैं या वे फिर गए हैं?

सच्चाई तो यह है कि मोदी और उनकी पार्टी के संगठन का मुकाबला करने की स्थिति में इस समय कोई दल या राजनीतिक समूह नहीं है। भाजपा अब पुरानी पार्टी नहीं रही। इस दौर में उनका जो भौगोलिक और सामाजिक विस्तार हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इसके भरोसे ही वह तीन बार केंद्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी रझान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा तो बना कि भाजपा के अश्वमेध के रथ को रोका जा सकता है।

बंगाल की जीत ने दिया भरोसा-अल्पमत की सरकार होने के बाद भी केंद्र की सरकार भरोसे से भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं। बंगाल के चुनावों की असंभव सी दिख रही जीत ने भाजपा के काउंड में आत्मविश्वास भरा है। इस भरोसे में असम की जीत तो संयुक्त है ही। अब पंजाब और

राष्ट्रीय अखंडता दिवस



उसमें मानसिक,बौद्धिक, वैचारिक और भावात्मक निकटता की समानता आवश्यक है। हमारे मूल्य गहराई से अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं जिन पर हमारे ऋषि-मुनियों और विचारकों ने बल दिया है। हमारे इन मूल्यों को सभी धर्मग्रंथों में स्थान मिला है। सियासतदान समय-समय पर धर्म,जाति के चाहे कुपन हो या बाइबिल,गुरुग्रंथ साहिब हो या गीता, हजरत मोहम्मद, ईसा मसीह, गुरुनानक, बुद्ध और महावीर,सभी ने मानव मात्र की एकता,सार्वभौमिकता और शांति की महायात्रा पर जोर दिया है। भारत के लोग चाहे किसी भी मजहब के हों,अन्य

धर्मों का आदर करना जानते हैं। क्योंकि सभी धर्मों का सार एक ही है। इसीलिए हमारा राष्ट्र धर्मनिरपेक्ष है।

जब देश आजाद हुआ था तो उस वक्त प्रबुद्ध समझे जाने वाले कई लोगों ने यह घोषणा की थी कि विविधताओं के इस देश का बिखरना तय है। सीधे तौर पर देखें तो आज उनकी बात असत्य मालूम पड़ती है। पर अगर गहराई में जाकर समझा जाए तो यह समझने में देर नहीं लगती है कि भले ही देश ना टूटा हो लेकिन धर्म,जाति आदि के नाम पर समाज बंटा जरूर है। सियासतदान समय-समय पर धर्म,जाति के नाम पर लोगों को बांटकर राजनीति की रोटी संकेत रहे हैं। फिरकापरस्ती के लिए अब भाषा और क्षेत्र को भी हथियार बनाया जा रहा है।

भाषा और क्षेत्र के नाम पर बढ़ने वाली हिंसा से सामाजिक संतुलन का

घातक हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य संधान अगर समाज को बांटकर ही होता हो तो क्या किया जा सकता है? इसके साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तिलचट्टों की अनावश्यक सस्ती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुमनाम और जनाधारहीन नई नवेली ‘काकोच जनता पार्टी’ अनावश्यक चर्चा में आ गयी।

इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम आंकना गलत होगा। योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, शुभेंदु अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नायब सिंह सैनी, मोहन मांझी, देवेन्द्र फड़नवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टीम को कम आंकना नाममाझी होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूहके नेताओं की पूरी मलिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी की ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भौगोलिक विस्तार अप्रतिम है।

उत्तर प्रदेश में होगा देश का फैसला- भाजपा ‘मोदी समय’ में जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक की लोककथा सीटें जीत चुकी है। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तूती बोल रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरसक प्रयासों के बाद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं।

सरकार के विरुद्ध असंतोष को वे कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होनी है। वहां के परिणाम देश की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विश्लेषक और र्ज्ञोतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा आश्स्त पाती है। प्रधानमंत्री की सफियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से हथियार डाल देंगे।

संगठन और सरकार पर उनकी पकड़ मजबूत है। आज तक विपक्षियों के द्वारा हुए व्यापक विरोध से ही वे शक्ति अर्जित करते रहे हैं। नए समय में हो रहा विरोध क्या उन्हें फिर से शक्तिमान बनाएगा, इसके लिए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। उत्तर प्रेश का राजनीतिक संदेश देश की भावी दिशा तय करेगा, इसमें दो राय नहीं है।

पुतिन की परमाणु चेतावनी और भारत की शांति नीति

कातिलाल मांडेठ

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ताजा बयान ने यूरोप और दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। माँस्को में वाल्टाइ फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस के किसी भी क्षेत्र पर हमला हुआ तो रूस अपनी सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने विशेष रूप से कलिनिनग्राद का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि नाटो देश इस रूसी क्षेत्र को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश करते हैं तो रूस तत्काल जवाब देगा। उनके बयान को पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रूस और नाटो के बीच यूक्रेन युद्ध के बाद से सैन्य और राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ा है।

कलिनिनग्राद रूस का ऐसा क्षेत्र है जो भौगोलिक रूप से रूस के मुख्य भूभाग से अलग है। यह बाल्टिक सागर के किनारे पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है और चारों ओर से नाटो के सदस्य देशों के निकट है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 से यह क्षेत्र सोवियत संघ और बाद में रूस के नियंत्रण में है। रूस के लिए कलिनिनग्राद केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां रूस की बाल्टिक नौसेना की मौजूदगी है और क्षेत्र में आधुनिक सैन्य प्रणालियां तैनात हैं। इसकी भौगोलिक स्थिति रूस को बाल्टिक सागर तथा यूरोप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने की क्षमता देती है।

पुतिन ने अपने बयान में पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पश्चिमी देशों में आने वाले वर्षों में रूस के साथ संभावित युद्ध की बातें की जा रही हैं। उन्होंने बाल्टिक सागर में होने वाले सैन्य अभ्यासों और रूसी जहाजों को लेकर उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। रूस की ओर से यह दावा भी किया गया है कि नाटो कलिनिनग्राद की हवाई और समुद्री नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। हालांकि नाटो ने इस दावे को खारिज किया है और कहा है कि रूस पर



हमला करने या कलिनिनग्राद को निशाना बनाने की उसकी कोई योजना नहीं है।

नाटो की ओर से रूस की परमाणु धमकियों पर आपत्ति जताई गई है। नाटो का कहना है कि वह रक्षात्मक गठबंधन है और उसकी सैन्य गतिविधियां रूस के किसी क्षेत्र पर हमला करने के उद्देश्य से नहीं हैं। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने भी रूस से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां बंद करने को कहा है। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि यूक्रेन युद्ध का असर केवल रूस और यूक्रेन तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था और रूस तथा नाटो के संबंधों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है। बाल्टिक सागर में पिछले कुछ समय से नाटो के सैन्य अभ्यास भी तनाव का एक कारण बने हुए हैं। नाटो ने समुद्र के नीचे मौजूद संचार केबल और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। रूस इन गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के नजरिए से देखता है, जबकि नाटो इन्हें सदस्य देशों और महत्वपूर्ण समुद्री ढांचे की सुरक्षा से जोड़ता है। दोनों पक्षों के बीच इस तरह की गतिविधियों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं।

परमाणु हथियारों के संदर्भ में पुतिन का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय रहा है। रूस दुनिया की प्रमुख परमाणु शक्तियों में शामिल है और नाटो में भी अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस जैसी परमाणु शक्तियां हैं। ऐसे में किसी भी सैन्य संकट में परमाणु हथियारों का उल्लेख अंतरराष्ट्रीय तनाव को

और बढ़ा सकता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देश रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे संघर्ष से बचने तथा बातचीत का रास्ता बनाए रखने पर जोर देते रहे हैं।

इसी पृष्ठभूमि में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस के साथ भारत के लंबे समय से मजबूत और बहुआयामी संबंध हैं। रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, अंतरिक्ष और रणनीतिक सहयोग सहित अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच व्यक्तिगत संवाद भी लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद भारत ने यूक्रेन युद्ध के मामले में रूस का समर्थन करने के बजाय लगातार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान का पक्ष रखा है।

पुतिन ने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताते हुए कहा है कि मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की बात उठाते हैं। उनका कहना है कि मोदी हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर चर्चा करते हैं तथा उनके पास इस दिशा में उपयोगी सुझाव हैं। यह स्थिति भारत की विदेश नीति के उस दृष्टिकोण को सामने लाती है जिसमें मित्र देशों के साथ संबंध बनाए रखते हुए विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति का संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि आज का दौर युद्ध का नहीं है और समस्याओं का समाधान बातचीत तथा कूटनीति से होना चाहिए। रूस की यात्रा के दौरान भी उन्होंने स्पष्ट किया कि गोलिएव, बमों और युद्ध के मैदान से शांति का रास्ता नहीं निकल सकता। यूक्रेन यात्रा के दौरान भी भारत ने शांति प्रयासों में सहयोग की इच्छा जताई थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत ने युद्ध समाप्त करने और स्थायी शांति की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

भारत और रूस के संबंधों की खासियत यही है कि दोनों देशों के बीच मित्रवत संबंध होने के

बावजूद भारत ने युद्ध को लेकर अपने स्वतंत्र दृष्टिकोण को कायम रखा है। रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी के बावजूद भारत ने यह संदेश दिया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच संवाद में भी यूक्रेन युद्ध का विषय सामने आता रहा है। भारत का जोर इस बात पर है कि बातचीत के माध्यम से ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे संघर्ष समाप्त हो और स्थायी शांति स्थापित हो सके।

पुतिन ने भारत की विविधता और एकता की भी प्रशंसा की है। उन्होंने भारत की विशाल आबादी, अनेक भाषाओं और विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं के बावजूद लोगों के साथ मिलकर रहने की क्षमता को उल्लेखनीय बताया। उनके अनुरार भारत की विविधता दुनिया के लिए सीख का विषय हो सकती है। यह टिप्पणी दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंधों के साथ-साथ सांस्कृतिक समझ को भी दर्शाती है।

वर्तमान परिस्थितियों में पुतिन की परमाणु चेतावनी और नाटो की प्रतिक्रिया के बीच दुनिया को सबसे अधिक जरूरत संयम और संवाद की है। रूस और नाटो के बीच सीधा संघर्ष केवल यूरोप तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। इसलिए भारत जैसे देशों की कूटनीतिक भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत रूस से अपने संबंध बनाए रखते हुए पश्चिमी देशों के साथ भी संवाद करता है और लगातार बातचीत से समाधान की वकालत करता रहा है।

रूस की सुरक्षा चिंताओं और नाटो की चिंताओं के बीच मतभेद गंभीर हैं, लेकिन परमाणु हथियारों की धमकी किसी भी स्थिति को और जटिल बना सकती है। पुतिन का यह संदेश कि रूस पर हमला हुआ तो वह अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा, दुनिया के लिए चेतावनी है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव को हल्के में नहीं लिया जा सकता। वहीं भारत का लगातार यह कहना कि युद्ध के बजाय संवाद और कूटनीति से समाधान निकाला जाना

आज का इतिहास

1227 खलीफा अल-आदिल की हत्या ।

1824 मेक्सिको एक गणराज्य बना ।

1963 क्यूबा और हैती में चक्रवाती तूफान ‘फ्लोरा’ से छह हजार लोग मरे ।

1977 भारत के विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को हिंदी में संबोधित किया । हिंदी में दिया गया यह पहला संबोधन था ।

1977 भारत के पूर्व प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी को राजनीतिक भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण 16 घंटे के लिए पुलिस हिरासत में रहने के बाद छुट्टी दे दी गई थी

1985 फ्री सॉफ्टवेयर फाउंडेशन मैसाचुसेट्स, यूएसए में स्थापित किया गया ।

1986 भारतीय हेलिकॉप्टर निगम की स्थापना हुई ।

1993 रूसी संवैधानिक संकट-टैंक ने व्हाइट हाउसिन माँस्को पर हमबारी की, जबकि राष्ट्रपति बोरिस येल्टसिन रैलिडबाट के खिलाफ प्रदर्शनकारी ।

1996 पाकिस्तान के 16 वर्षीय बलेबाज शाहिद अफरीदी ने एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में 37 गेंदों में शतक बनाकर विश्व कीर्तिमान रचा ।

2000 चांग चून शियुंग ताइवान के नये प्रधानमंत्री बने ।

2002 पाकिस्तान में शाहीन प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण किया गया ।

2003 एक आत्मघाती हमलावर ने इज़राइल के हाइफा में मैक्सिम रेस्तरां के अंदर 21 लोगों को मार डाला और 50 से अधिक लोगों को घायल कर दिया ।

2005 बाली बम कांड में दो संदिग्ध व्यक्ति गिरफ़्तार ।

2006 जूलियन असांजे ने विकीलीक्स की स्थापना की ।

2008 अमेरिका की विदेश मंत्री कोंडोलिज़ा राइस एक दिन के लिए भारत यात्रा पर रहीं ।

2011 अमेरिका ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के मुखिया अबू बकर अल बगदादी को वैश्विक आतंकवादी के रूप में चिन्हित किया और साथ ही उस पर एक करोड़ डॉलर का इनाम भी रखा ।
2012 फॉर्मूला वन के बादशाह माइकल शुमाकर ने संन्यास लिया ।
2012 एफबीआई ने लीबिया के बेनगाजी में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर हमले की अपनी जांच केवल एक दिन में की ।
2013 आंध्र प्रदेश राज्य के विभाजन के भारत के समझौते के कारण सीमांन्ध क्षेत्र में आपत्तियाँ और हमले चल रहे सम्यकंद्रा आंदोलन के कारण हुए ।

2015 भारतीय फिल्म निदेशक एवं निर्माता इंदिरा नागेश्वर राव का निधन हुआ ।



कमांड क्षेत्रों में दो फसल या
आंशिक क्षेत्रों में तीन
फसली कार्यक्रम के चलते
आमतौर पर गेहूं की बुआई
पिछड़ जाती है। पिछले 3
वर्षों से मानसून का मिजाज
कुछ इस तरह बदला की
खरीफ की प्रमुख फसल
सोयाबीन की बुआई जुलाई
की सीमा पारकर गई और
उसकी कटाई में विलम्ब
होने के कारण भूमि में नमी
भी अपर्याप्त रह गई
फलस्वरूप गेहूं की
विलम्ब से बुआई करने की
मजबूरी चुनौती बनकर
उभरी, कपास, मिरच, गन्ना
काटने के बाद भी यही
समस्या सामने रहती है।



इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का
रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा
है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ
पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी
का प्रादुर्भाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण
करना आज की आवश्यकता बन गई है।

बुवाई का उपयुक्त समय

25 दिसम्बर तक
किस्मों का चुनाव
पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का



चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए।
पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना
चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि
देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम
अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव
पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली
किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से
पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर
प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
पिछेती गेहूं की बुवाई के लिये कई किस्मों
को बोने की सिफारिश की गई है जिनमें राज
3777, राज 3765, राज 3077, एच.डी. 2285,
एन.डी.2236, राज 2184, लोक-1,
जी.डब्ल्यू.173, जी. डब्ल्यू. 273, एच.आई.
8498, डी. एल. 803, डीएल 788-2, आभा,
जे.डब्ल्यू 4010, एम.पी. 1202 इत्यादि।

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की
दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना
लाभदायक रहता है। पौधों के बीच की दूरी 6 से
8 सेंटीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये
ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की
अपेक्षा क्रॉस (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में
4.5 क्विं./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को

अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो
जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये
बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस
प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि
प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली
युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें।
बुवाई 4-5 सेंटीमीटर
की गहराई पर करना
चाहिए।
पिछेती गेहूं में 130-
200 किलो यूरिया, 250-
280 किलो सिंगल सुपर
फास्फेट तथा 33-40 किलो
म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर
की आवश्यकता होती है। मिट्टी की
उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की
उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई
फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व
पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती
है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित
फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण
गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये
पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये
फास्फोरस का प्रयोग अव्यंत आवश्यक है। जस्ते
की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं
फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व



चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व
उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों
में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

चना फसल से बड़ेगा उत्पादन



उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं।
अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित
प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के
काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान
से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में
25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की
दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी.
होना चाहिए, बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम
अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा.
की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व
पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु
250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज
को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद
निंदाई कर घास निकालें. ताकि
नमी का हास न हो। इसी समय
चने की खुटाई करना चाहिए ताकि
अधिक से अधिक शाखायें निकल
सकें। बुवाई से पूर्व खेत में
भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त
नमी है तभी बुवाई करें। चने की
फसल में 45-60 दिन के भीतर
सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल
आते समय सिंचाई न करें। हल्की
भूमि में नमी की कमी होने पर
फली लगते समय भी सिंचाई की
जानी चाहिए।



कटाई, गहाई व उपज

परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ
सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पतियाँ झड़ने
लगती हैं। इस समय कटाई
करना चाहिए। फसल की
कटाई कर 2-3 दिन
तक खेत में पड़ा रहने
देें तत्पश्चात् गहाई
करें। इस प्रकार 15-
20 क्विं. किस्मों के
अनुसार उत्पादन
मिलता है। दानों को
भलीभांति सुखाकर 8-10
प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीज दर- 125 किलो/हे.

बीजोपचार



गेहूं की फसल की बुवाई के समय
20-25 डिग्री सेल्शियस तापमान होना
उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का
अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का
जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु
दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की
बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री
सेल्शियस के आसपास आ जाता है
जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है
तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता
है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त
करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम
तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को
कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार
करना चाहिए।

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5
प्रतिशत पोटेशियम डाई सल्फेट या 0.1
प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत
सोडियम क्लोराईड (साधारण नमक) के
घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार
करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर
अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे
पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी
होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक
ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति
लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त
सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा
2-3 क्विं. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि
होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो
ग्राम पारद फफूंदनाशी या थायरम या दो
से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज
की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई
के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात
कण्डुआ का प्रकोप हो वहां निर्यंत्रण हेतु
वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम
प्रति किलो बीज की दर से बीज को
उपचारित करें।



किस्म		जे.जी. 315	
जवाहर 218			
जे.जी. 130	जे.जी. 412		
जे.जी. 16	जे.जी. 11	जे.जी. 74	1 आईसीसीव्ही. 10(विजय)
जे.जी. 1			भारती
जे.जी.के. 1			

पीएम मोदी 3 नवंबर को करेंगे ‘प्रेरणा स्थल’ का उद्घाटन

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन नवंबर को बारामती का दौरा करेंगे और नवनिर्मित ‘प्रेरणा स्थल’ का उद्घाटन करेंगे, जहां भगवान बुद्ध की चार टन वजनी प्रतिमा स्थापित की गई है। पवार ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विद्या प्रतिष्ठान में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार, सीरम इंस्टीट्यूट के साइरस पूनावाला तथा माइक्रोसॉफ्ट के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। पवार इस शैक्षणिक ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुबह करीब 10 बजे बारामती हवाई अड्डे पहुंचेंगे और वहां से सीधे विद्या प्रतिष्ठान जाएंगे। वहां वह ‘नक्षत्र गार्डन’ में स्थापित भगवान बुद्ध की प्रतिमा वाले ‘प्रेरणा स्थल’ का उद्घाटन करेंगे। परिसर में कई प्रमुख हस्तियों के चित्र और तस्वीरें भी प्रदर्शित की जाएंगी। पवार के मुताबिक, मुख्य कार्यक्रम पूर्वाह्न करीब 11.45 बजे शुरू होगा।

यूपी कांग्रेस में बदलाव से कोई फर्क नहीं पड़ेगा : ओपी राजभर

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को राज्य में कांग्रेस पार्टी के बड़े संगठनात्मक बदलाव पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि यूपी कांग्रेस प्रमुख के तौर पर आराधना मिश्रा मोना और कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर इमरान मसूद की नियुक्ति से राजनीतिक परिदृश्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मीडिया से बात करते हुए राजभर ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कांग्रेस को किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर घोषित करना चाहिए; समाजवादी पार्टी को भी मेरी यही सलाह है, क्योंकि उन्हें मुस्लिम समुदाय से काफी वोट मिले हैं। राजभर ने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जिसने निचले सदन में महिला आरक्षण बिल का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने लोकसभा और विधानसभा में महिला आरक्षण बिल का विरोध किया था। वे किस मुंह से मांगें लेकर आए हैं?

चुनाव आयोग के खिलाफ मुंबई में उतरेगा संयुक्त विपक्ष

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने 3 अक्टूबर को घोषणा की कि विपक्षी पार्टियां भारत के चुनाव आयोग के विरोध में मुंबई में एक बड़ा संयुक्त मार्च आयोजित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के रूट को लेकर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे के बीच बातचीत हुई थी। राउत ने बताया कि लॉजिस्टिकल कारणों से मार्च के रूट को मूल योजना से बदल दिया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि शेतकारी कामगार पक्ष (पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी), नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों ने इस प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। संजय राउत ने कहा कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने इस पर चर्चा की है। हमने शुक्रवार को शिवाजी पार्क में विरोध प्रदर्शन देखा और लोगों में काफी गुस्सा था। राउत ने इन घटनाक्रमों को चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट विपक्षी मोर्चा बनाने की तैयारी बताया।

आप छोड़ कांग्रेस में शामिल हुई प्रियंका कवकड़

नईदिल्ली। प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने कहा कि वह अपनी पुरानी पार्टी के उन कामों का अब और बचाव नहीं कर सकतीं, जिन्हें उन्होंने बचाव के लायक न होने वाला बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि वह दिल्ली को हरा-भरा, साफ-सुथरा, प्रगतिशील और सुरक्षित देखा चाहती हैं, ठीक वैसी ही दिल्ली जैसा वह शहर था जिसमें वह पली-बढ़ी थीं। भारतीय राजनीति में एक दशक से ज्यादा के अनुभव के बाद, मेरा सचमुच मानना है कि सिर्फ कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है। कक्कड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी तारीफ की और कहा कि वह उन्हें एक सच्चे नेता मानती हैं जो अपनी बात कहने से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि मैंने यह भी देखा है कि अगर आज हमारे देश की राजनीति में कोई नेता सचमुच सच्चा है और सच्चाई को बढ़ावा देने से नहीं डरता, तो वह राहुल गांधी हैं।

डीएमके नेतृत्व ने उपचुनाव प्रचार में खोया संयम : मंत्री निर्मल कुमार

कोयंबटूर। तमिलनाडु के मंत्री आर. निर्मल कुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि धारापुरम विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान द्रमुक नेताओं ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं, जिससे पार्टी नेतृत्व का “असली चरित्र” उजागर हो गया है। राज्य के ऊर्जा एवं कानून मंत्री ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में हाल में प्रचार के दौरान द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन और उनके बेटे एवं विपक्ष के नेता उदयनिधि द्वारा इस्तेमाल की गई से उनकी दूरदृष्टि के अभाव का पता चलता है। धारापुरम विधानसभा सीट पर उपचुनाव छह अक्टूबर को होना है। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, “द्रमुक नेतृत्व पूरी तरह हताशा की स्थिति में है क्योंकि उसके पास मतदाताओं को देने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है। अनुचित और अपमानजनक का सहारा लेना उनकी आखिरी और हताशा भरी रणनीति है।” मंत्री ने दावा किया कि द्रमुक का राजनीतिक प्रभाव घट रहा है और उपचुनाव में पार्टी की हार तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टालिन और उदयनिधि ने मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के प्रयास में अपना संयम खो दिया।

भोपाल में बोले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

बीएनएस लागू होने से 3 साल में सुप्रीम कोर्ट तक मिलेगा न्याय

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देश की अपराधिक न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय प्रणालियों में शामिल होगी। शाह ने राज्य की राजधानी भोपाल के भेल क्षेत्र स्थित दशहरा मैदान में आयोजित गोपालक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ऐसी विस्तृत योजना पर काम कर रही है, जिससे 31 दिसंबर 2029 के बाद मध्यप्रदेश में “नशे के लिए कोई जगह” नहीं बचेगी।

शाह ने कहा, “भारत की न्याय व्यवस्था कभी ‘तारीख पर तारीख’ के तारों के लिए जानी जाती थी, लेकिन अब नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद प्रार्थमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक तीन वर्ष में न्याय दिलाने का पूरा काम हो जाएगा।” उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून उनके शासन को बचाने के लिए थे, जबकि तीन नए अपराधिक कानून भारत के नागरिकों के सम्मान, संपत्ति और शरीर की रक्षा के लिए हैं।

शाह ने कहा, “इन कानूनों का मूल मंत्र न्याय है, दंड नहीं। दंड का प्रावधान केवल अपराधियों को अपराध करने से रोकने के लिए है। इन कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी अपराधिक न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय प्रणालियों में शामिल होगी।” शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आजादी



के बाद से कृषि व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सहकारिता से जुड़े लोगों की अलग सहकारिता मंत्रालय की मांग थी, लेकिन तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ने 75 वर्षों तक अलग सहकारिता मंत्रालय नहीं बनने दिया।

उन्होंने कहा, “प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर सहकारिता क्षेत्र को नयी दिशा दी। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे गोपालकों को मिलेगा। खुले बाजार में दूध बेचने पर बिचौलिए लाभ का बड़ा हिस्सा ले जाते हैं, लेकिन सहकारिता मॉडल में उनके लिए कोई जगह नहीं बची है।” शाह ने बड़ी संख्या में सम्मेलन में पहुंचे गोपालकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश में ‘श्वेत क्रांति 2.0’ के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय के गठन से सबसे अधिक लाभ गोपालकों को होगा।

उन्होंने कहा, “गोपालकों की यह भागीदारी पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नए संकल्प और नयी ऊर्जा का प्रतीक है।” शाह ने कहा कि देश में

2013-14 में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 307 ग्राम थी, जो बढ़कर 485 ग्राम हो गई है। उन्होंने कहा, “भारत आज दुनिया में सबसे अधिक दूध उत्पादन वाला देश है। देश के पांच प्रमुख दूध उत्पादक राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में भाजपा की सरकारें हैं।

कांग्रेस ने अपने शासन में पशुपालकों के कल्याण के लिए क्या किया, इसका जवाब उसे देना चाहिए।

हमारी सरकारों का ध्यान पशुपालकों की आय बढ़ाने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने पर है।” केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अलग-अलग मुद्दों पर केंद्र सरकार का विरोध करने वाले कांग्रेस नेताओं के सवालों का हिसाब देने वह यहां आए हैं। उन्होंने कहा, “कांग्रेस के 75 वर्षों के शासन में देश का दूध उत्पादन 14.60 करोड़ टन तक पहुंचा, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में यह बढ़कर 25 करोड़ टन तक पहुंचा है।

इसके पीछे भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों की निरंतर मेहनत है।” शाह ने कहा कि सरकार ऐसी विस्तृत योजना बना रही है, जिससे 31 दिसंबर 2029 के बाद मध्यप्रदेश में नशे के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। शाह ने इससे पहले नए अपराधिक कानूनों पर केंद्रित एकपक्षीय प्रदर्शनों का उद्घाटन किया और उसका अवलोकन भी किया।

पंजाब में छोटे भाई की भूमिका में होगी भाजपा

शिअद संग पहले टूटी दोस्ती फिर बहाल होना तय

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल की छह साल पहले टूटी दोस्ती फिर बहाल होना तय है। नए सिरे से गठबंधन में भाजपा की स्थिति बेशक बदले से मजबूत होगी, मगर उसे फिलहाल छोटे भाई की ही भूमिका निभानी होगी।

कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा, इस पर नवरात्र में नए सिरे से दोनों दलों के बीच बातचीत होगी। भाजपा भी दोनों दलों की संयुक्त ताकत की समझते हुए शिअद से संझौतित तौर पर बातचीत के लिए तैयार है।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक दोनों दलों का आकलन है कि साथ आने पर कांग्रेस और आप को सत्ता से दूर रखा जा सकता है। अलगाव के बाद दोनों दलों का न सिर्फ राज्य में प्रभाव कम हुआ है, बल्कि इनके लिए सत्ता दूर की कोड़ी है।

बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो दोनों दलों का संयुक्त वोट आप और कांग्रेस से करीब छह लाख अधिक था। क्योंकि इस चुनाव में कांग्रेस और आप को 35-35 लाख जबकि भाजपा को 18 लाख तो अकाली दल को 25 लाख से अधिक वोट मिले थे।

अधिक सीटें हासिल करने की है

भाजपा की योजना

गठबंधन तय है, हालांकि भाजपा की योजना अपने हिस्से की सीटों की संख्या बढ़ाने पर है। साल 1996 से 2020 तक जितने चुनाव हुए हैं, उसमें भाजपा को अधिकतम 25 सीटें मिली हैं। भाजपा इस संख्या को बढ़ा कर 50



तक ले जाना चाहती है।

बातचीत में भाजपा का कहना है कि बीते लोकसभा चुनाव में उसे 23 सीटों पर बढ़त मिली, जबकि अकाली दल को महज 9 सीटों पर बढ़त मिली। शिअद का कहना है कि अलग-अलग लड़ने के बावजूद उसे भाजपा की तुलना में 5 फीसदी अधिक वोट मिले।

इसलिए होगा गठबंधन

दोनों दलों को अंदाजा है कि अलग-अलग चुनाव लड़ने का लाभ आप और कांग्रेस को मिलेगा। भाजपा चाहती है कि अकाली दल अर्धशहरी सीटों पर दावा न जताए, जबकि अकाली दल चाहता है कि भाजपा ज्यादा सीटों की मांग न करे।

चूँकि दोनों दलों को एक दूसरे की जरूरत है, ऐसे में नवरात्र के दौरान होने वाली बातचीत में गठबंधन पर अंतिम निर्णय हो सकता है। वैसे भी दोनों पक्ष चाहते हैं कि समय रहते गठबंधन पर सहमति बने, जिससे दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य बैठया जा सके।

टेरिफ और पाबंदियों को आर्थिक हथियार बना रहे कई देश

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने शनिवार को कहा कि निर्यात पर पाबंदियां, प्रतिबंध और आयात शुल्क अब आर्थिक नीतियों के साधन बन चुके हैं और कभी-कभी इनका इस्तेमाल हथियार की तरह भी किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध ऊर्जा और खाद्य बाजारों को अस्त-व्यस्त कर देते हैं, जबकि समुद्री रास्ते और रणनीतिक भौगोलिक मार्ग आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील बन जाते हैं। कौंटिल्य आर्थिक सम्मेलन में ए वल्र्ड प्राइड फॉर रिस্ক विषय पर उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा का एक बड़ा आयातक देश है, और किसी भी महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते में लंबे समय तक आने वाली रुकावट अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए, भारत ने सुरक्षा के कई स्तरों को मिलाकर अपनी रणनीति तैयार की है। किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा निर्यात प्रतिबंध, आर्थिक पाबंदियां और शुल्क अब आर्थिक नीतियों के साधन बन गए हैं।



विभिन्न वित्तीय उपायों के दम पर 18 सितंबर 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 765.9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून तिमाही में 6 प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचकर पांच वर्षों के उच्चतम मासिक स्तर पर रहा है। वहीं दूसरी ओर सरकार किसी भी प्रकार की घरेलू और वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने और आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है।

आर्थिक वृद्धि दर बरकरार रखने की चुनौती

को लेकर बेफिक्र नहीं रह सकता।

देश के करीब एक तिहाई हिस्से में सूखे का संकट भी सामने दिखाई दे रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अल नीनो के असर से इस बार मानसून के सीजन में करीब 12.6 प्रतिशत बारिश कम रही है और ऐसे में देश के 38 प्रतिशत हिस्से में सूखे का खतरा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा प्रकाशित बुलेटिन ‘स्टेट ऑफ द इकोनॉमी’ के अनुसार देश की आर्थिक रफ्तार की राह पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, सूखे तेल की ऊंची कीमतें, ट्रम्प टैरिफ और कमजोर मानसून की चुनौतियां मुश्किलों के रूप में दिखाई दे रही हैं।

लेकिन इसके बावजूद मजबूत घरेलू बुनियाद के दम पर देश की अर्थव्यवस्था दमदार बनी हुई है। एक ओर पूंजी भारत और

खेल प्रमुख समाचार

पाकिस्तान को हराकर भारतीय क्रिकेट टीम ने जीता गोल्ड

निशिन, जापान। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में



खेले गए हाई-स्कोरिंग पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने एशियन गेम्स क्रिकेट में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। मुकाबला खत्म होते ही भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगा लहराकर जीत का जश्न मनाया और पूरे मैदान का चक्रर लगाकर बड़ी संख्या में पहुंचे फैंस का अभिवादन किया।

भारत के 211/6 के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 192/6 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर शिवम दुबे ने हसन नवाज को विकेट के पीछे संजू सैमसन के हाथों कैच कराकर भारत की जीत पक्की कर दी। नवाज 51 गेंदों में 96 रन बनाकर आउट हुए और शतक से चूक गए, जबकि साद मसूद 5 गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने 3 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत की इस जीत के साथ पुरुष क्रिकेट में एशियन गेम्स का गोल्ड एक बार फिर टीम इंडिया के नाम रहा। इससे पहले भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। इस बार फाइनल में पाकिस्तान को हराकर भारत ने अपना खिताब बरकरार रखा।

भारत को अभिषेक शर्मा ने तूफानी शुरुआत दिलाई। उन्होंने महज 28 गेंदों में 61 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें सात छक्के और तीन चौके शामिल रहे। अभिषेक ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और पाकिस्तान के गेंदाबाजों पर शुरुआत से ही दबाव बना दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को पावरप्ले में मजबूत शुरुआत दिलाई।

मध्यक्रम में तिलक वर्मा ने भारत की पारी को संभालने के साथ शानदार फिनिश भी दिया। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल रहे।

डॉ. जयंती लाल भण्डारी

एक अक्तूबर को वित्त मंत्रालय ने सितंबर 2026 की अक्टूरी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, वैश्विक वित्तीय स्थितियों में कड़वाई, अमेरिकी व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, महंगाई और देश में कमजोर मानसून से निर्मित परिस्थितियां इस समय देश की आर्थिक वृद्धि को गति को बनाए रखने में बड़ी चुनौतियां बन गई हैं।

इस परिदृश्य के कारण भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 को दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकती है। जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी। ऐसे में भारत भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ते व्यवधानों के कारण अपनी विकास दर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18.34 अरब डॉलर घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 18.34 अरब डॉलर घटकर 747.56 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.88 अरब डॉलर घटकर 765.90 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में 785.71 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। यह उछाल प्रवासी भारतीयों से जमा के लिए एक विशेष स्थायती अला-बदली सुविधा के तहत मुद्रा के भारी प्रवाह के कारण आया था। इसके जरिए बैंकों ने 130 अरब डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड राशि जुटाई थी। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.59 अरब डॉलर घटकर 108.70 अरब डॉलर रहा।

20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का पूर्वानुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत दिया है, जो पहले 6 प्रतिशत रहने का अनुमान था। इस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन देखने को मिला है।

भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान में बढ़ोतरी का मुख्य आधार मजबूत घरेलू मांग, निजी खपत में लगातार सुधार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सरकारी व निजी निवेश में आई तेजी है। मूडीज ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को ‘बीएफ 3’ पर बनाए रखा है और देश के आर्थिक आउटलुक को ‘स्थिर’ रखा है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कौशिक समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान

मेहनत व लगन से प्रतिभाओं ने बढ़ाया परिवार व समाज का गौरव : उप मुख्यमंत्री शर्मा

कवर्धा । उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम जिंदा में कौशिक समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में शिक्षा, कला, खेल, सामाजिक कार्य एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को उपलब्ध भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे प्रतिभावान युवाओं और विद्यार्थियों का सम्मान एवं



प्रोत्साहन उन्हें आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभाओं से निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशिक समाज के पदाधिकारी,

जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह में प्रतिभाओं के सम्मान के साथ समाज की एकजुटता और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का सकारात्मक संदेश भी दिया गया।

एशिया कप विजेता गीता यादव से मिले उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने अपने कवर्धा निवास कार्यालय में जूनियर महिला एशिया कप-2026 की विजेता भारतीय हॉकी टीम की सदस्य गीता यादव से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि आगे भी सफलता के नए कीर्तिमान प्राप्त करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा की बेटी ने देश-प्रदेश का मान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। इस दौरान श्री शर्मा ने गीता से उनकी अब तक की खेल यात्रा, प्रशिक्षण और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बातचीत की।



कबीरधाम जिले के बोड़ला की रहने वाली गीता यादव ने चीन के मोकी में आयोजित एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय टीम ने 13 सितंबर को खेले गए रोमांचक फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

नई सड़क, फोरलेन व बड़े पुल 24 कार्यों पर लगी मुहर

रायपुर। बारिश के बाद खराब हुई सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण व सुधार का काम अब तेज होगा। छत्तीसगढ़ शासन ने लोक निर्माण विभाग के 24 महत्वपूर्ण कार्यों की निविदाओं को मंजूरी दी है। इनमें नई सड़कों और पुल बनाने के साथ मौजूदा सड़कों का चौड़ीकरण, उन्नयन, मजबूतीकरण, विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण शामिल है।

लोक निर्माण विभाग ने संबंधित अधिकारियों को चयनित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को जल्द कार्यदिश जारी करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि बारिश के बाद इन कामों को तत्काल गति दी जाएगी। लोक निर्माण विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी सड़क और पुल से जुड़े मौजूदा टेंडर व कार्यों की जानकारी उपलब्ध है।

धमतरी जिले में कई महत्वपूर्ण मार्गों के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के काम को मंजूरी मिली है। मेघा रोड तिताहा-स्टेशन रोड-चरमुड़िया राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के 3.75 किलोमीटर हिस्से के लिए



14 करोड़ 45 लाख 12 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। पचपेड़ी-तरांगोदी-भेलवाकूदा-टिपानी-सेमरा (बी) मार्ग के 5 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण पर 13 करोड़ 32 लाख 82 हजार रुपए खर्च होंगे। इसी तरह 9 किलोमीटर लंबे छाती-गागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग के लिए 23 करोड़ 12 लाख 46 हजार रुपए और 10 किलोमीटर लंबे अर्जुनी-भानपुरी-तरसीवा-कुर्या-अमलीडीह-हसदा मार्ग के लिए 19 करोड़ 42 लाख 22 हजार रुपए की निविदा मंजूर की गई है। राजनांदगांव-गुडरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई राज्य मार्ग के 23 किलोमीटर हिस्से के मजबूतीकरण और डामरीकरण के लिए 11 करोड़ 70 लाख 83 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं।

योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : अग्रवाल

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत आज स्वामी आत्मानंद उल्हास विद्यालय दयालबंद में जिला स्तरीय सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, नगर निगम सभापति श्री विनोद सोनी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल शामिल हुए। विभिन्न विभागों ने शिविर में स्टॉल लगाकर नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा



गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सेवा, स्वच्छता और जनकल्याण के विचारों को याद किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने की शपथ दलाई गई।

विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न

विभागों की योजनाओं की जानकारी और सहायता मिलने से आमजन को राहत मिल रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सरल और सुविधाजनक तरीके से पहुंचे। सेवा सेतु शिविर लोगों और शासकीय योजनाओं के बीच संपर्क का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

सेवा संकल्प में झाड़ू थामकर उतरीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत सूरजपुर जिला के नगर पंचायत शिवनंदनपुर में जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आंबेडकर चौक के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर और खरपतवार हटाकर श्रमदान किया। उन्होंने स्वच्छता दीर्घियों, स्थानीय महिलाओं और नागरिकों के साथ सफाई में भाग लेकर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

सर पर आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-



कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर की सफाई की। इस दौरान लोगों को अपने आसपास और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इतिहास रचने के लिए अटूट परिश्रम व निरंतर प्रयास जरूरी : टंकराम

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्णिम और आत्मनिर्भर भारत के सपने को आकार देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इससेवा संकल्प अभियान के तहत बलौदाबाजार के वर्धमान स्कूल में शनिवार को जिला स्तरीय चित्रकला, रंगोली और भाषण प्रतियोगिता का रंगारंग आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक कृचियों के रंगों और ओजस्वी वाणी के शब्दों से च्विकसित भारत के एक जीवंत तस्वीर पेश की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों के हुनर की सराहना करते हुए प्रथम, द्वितीय



और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित यह माहव्यापी अभियान युवाओं और बच्चों में राष्ट्र निर्माण की अलख जगाने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को

प्रेरित करते हुए कहा कि इतिहास रचने के लिए अटूट परिश्रम और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। आज की मेहनत ही आने वाले कल के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन को एक खुली पाठशाला बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन दर्शन से सीख लेकर हर वर्ग आगे बढ़ सकता है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

‘सेवा संकल्प’ से ‘सशक्त समाज’ की ओर



रायपुर। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत ‘सेवा के 25 वर्ष’ के उपलक्ष्य में समाज कल्याण विभाग द्वारा खेलभांडा मैदान सारंगढ़ में एक विशाल नशा मुक्त भारत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के माध्यम से युवाओं और आम नागरिकों को नशे के गंभीर दुष्परिणामों के प्रति सचेत करते हुए एक स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नुकड़ नाटक ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। इस प्रस्तुति में नशे के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली और सामाजिक ताने-बाने पर पड़ने वाले दुष्परिणामों का सजीव व संवेदनशील चित्रण किया गया। तत्पश्चात खेलभांडा मैदान से एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें एनसीसी के डेडेट्स, स्कूली बच्चों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने नशामुक्तिक के नारों के साथ जन-जन को जागरूक किया।

मारडूम के जर्जर स्कूल भवन में 2023 से पढ़ाई हुई बंद



जगदलपुर। जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मारडूम चैतुपारा में वर्ष 2023 से स्कूल भवन जर्जर एवं बंद पड़े होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों की शिकायत पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा की टीम ने आज शनिवार को मौके पर पहुंचकर स्कूल भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि स्कूल भवन की स्थिति बेहद जर्जर है और वर्तमान में बच्चों को ग्रामीणों के लिए बनाए गए सामुदायिक भवन में पढ़ाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर स्कूल भवन कभी भी गिर सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल परिसर की बाउंड्री वाल का निर्माण ठीक स्थिति में है, लेकिन मुख्य स्कूल भवन लंबे समय से जर्जर पड़ा हुआ है। ऐसे में केवल परिसर की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि बच्चों के लिए सुरक्षित और बेहतर स्कूल भवन का निर्माण आवश्यक है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जर्जर स्कूल भवन का तत्काल निरीक्षण कर नए स्कूल भवन का निर्माण कराया जाए।

7 को नगर में निकलेगी भव्य सेवा ज्योति यात्रा



रायपुर। प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 07 अक्टूबर को दुर्ग जिला मुख्यालय में सेवा ज्योति कलश यात्रा एवं ‘विकसित भारत का संकल्प’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वचुंअल माध्यम से संबोधित करेंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिला प्रशासन, संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं आम नागरिकों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक की। बैठक में श्री सुरेन्द्र कौशिक, श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर, विनोद अरोरा, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह सहित जिला प्रशासन के अधिकारी और आयोजन से जुड़े नोडल विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री यादव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, विकसित भारत/2047 का सामूहिक संकल्प लेने तथा केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

आज अग्रसेन जयंती महोत्सव का आगाज, सप्ताह तक रहेगी धूम



राजनांदगांव। अग्रवाल समाज के अधिष्ठाता देव भगवान अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ 4 अक्टूबर को अग्रसेन भवन मेंसुबह 10 बजे मुख्य अतिथि नरेंद्र गोयल अग्र ध्वजारोहण के साथ करेंगे। इसके बाद भगवान अग्रसेन की पूजा-अर्चना एवं आरती होगी। 4 से 11 अक्टूबर तक चलने वाले महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। अग्रवाल सभा के कोषाध्यक्ष अशोक सिंघल, नवयुवक मंडल के कोषाध्यक्ष राहुल लोहिया एवं महिला मंडल की कोषाध्यक्ष सावित्री अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रसेन जयंती महोत्सव की शुरुआत आज सुबह 10 बजे अग्रसेन भवन की प्राचीर पर अग्र ध्वजा फहराने के साथ होगी। ध्वजारोहण के पश्चात भगवान अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना एवं आरती की जाएगी। इस दौरान समाज के पदाधिकारी एवं अग्र बंधु उपस्थित रहेंगे। महोत्सव के पहले दिन दोपहर 3 बजे से नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में समाज के सदस्यों की उत्साहपूर्वक सहभागिता रहेगी। आगामी दिनों में भी बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं समाज के अन्य वर्गों के लिए विविध आयोजन किए जाएंगे।

आंगन मिलन सेवा में शामिल हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी



रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रायगढ़ के राजापुरा सेक्टर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र इंंदिरानगर-ए में आयोजित ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 3 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, 3 सहायिकाओं और 3 मितानियों को शाल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर 5 बच्चों ने बालगीत प्रस्तुत किए, वहीं दो हितग्राहियों ने शासकीय योजनाओं से मिले लाभ और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में 5 गर्भवती महिलाओं की गोदभरवाई की रस्म भी संपन्न कराई गई। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा कार्यों को जनभागीदारी से जोड़ते हुए ज़रूरतमंदों तक शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

रायगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत लघु फिल्म प्रतियोगिता का समापन

अपराधों से मुकाबले में युवा बनें ‘साइबर एम्बेसडर’: चौधरी

रोशनी, संगीत व नृत्य से जीवंत हुई ‘नमो सेवा गाथा’

रायगढ़। साइबर अपराधों के प्रति आमजन, विशेषकर युवाओं को जागरूक करने के लिए रायगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित लघु फिल्म प्रतियोगिता का समापन एवं सम्मान समारोह रायगढ़ के पूज्य संत बाबा प्रियदर्शी रामजी ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा रायगढ़ पुलिस द्वारा तैयार साइबर अवेयरनेस शॉर्ट फिल्म ‘साइबर ट्रेप’ की स्क्रीनिंग की गई।



और सतर्कता सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं साइबर जागरूक बनें और ‘साइबर एम्बेसडर’ की भूमिका निभाते हुए अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करें।

श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश में संचालित ‘सेवा संकल्प अभियान’ की विन्हित सेवा गतिविधियों में साइबर जागरूकता को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। रायगढ़ पुलिस ने सिनेमा और रचनात्मकता को साइबर सुरक्षा से जोड़कर युवाओं तक प्रभावी संदेश पहुंचाने की

अभिनव पहल की है। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल ने साइबर जागृति अभियान और तकनीक आधारित जनजागरूकता पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक का उपयोग जर्नलित, जागरूकता और सुरक्षा के लिए किया जाना समाज को अधिक सुरक्षित बनाने में प्रभावी साबित हो सकता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अप्रैल से 2 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशव्यापी ‘साइबर जागृति अभियान’ संचालित किया गया।

बिलासपुर। रोशनी, संगीत और नृत्य के समन्वय से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियां आज कृषि महाविद्यालय कोनी ऑडिटोरियम में जीवंत हुईं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शाम 5 बजे आयोजित ‘नमो सेवा गाथा’ पर आधारित लाइट एंड साउंड कार्यक्रम में कलाकारों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रसंगों को भावपूर्ण प्रस्तुति दी। लगभग एक घंटे की इस प्रस्तुति को दर्शकों ने तन्मयता से देखा और प्रेरणास्पद बताते हुए सराहा।



संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से गुरुरुर लोक सेवा संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवाकाल से जुड़े विभिन्न पड़ावों को कला और नृत्य के माध्यम से मंच पर उतारा गया। गुजरात भूकंप के दौरान सहायता, कोविड काल में राहत के प्रयास, आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई, नक्सल उन्मूलन, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे प्रमुख विषयों को प्रस्तुति में शामिल किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को भी प्रभावी ढंग से दर्शाया गया।